वर्ष 13//अंक-06//जनवरी//2025
ISSN 2454-5805

आम आदमी पत्रिका®

RNI NO : CHHHIN/2013/50684

सियासी दंगल...
दिल्ली सरकार के लिए जंग

→05

क्या भाजपा 26 साल के वनवास से लौटेगी वापस !

→10

छत्तीसगढ़ में डिजिटल गवर्नेंस मॉडल

→25

छत्तीसगढ़ में 3 लाख से अधिक आवासों की घोषणा

eyes events and advertising

CREATIVITY
IS TAKING A SIMPLE THING AND BRINGING IT TO LIFE

EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL

Mo. : 97555-23831 www.eyesevents.in Follow us on

आम आदमी पत्रिका

वर्ष 13//अंक-06//जनवरी//2025

प्रबंध संपादक : उमेश के बंसी
सकुलेशन इंचार्ज : प्रकाश बंसी
रिपोर्टर : नेहा श्रीवास्तव
कंटेट राइटर : प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर : जितेंद्र साहू
एडमिनेस्ट्रेशन : कुसुम श्रीवास्तव
ऑफिस कॉर्डिनेटर : योगेंद्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

54/111, सालासर बालाजी मंदिर के पास, अग्रसेन धाम के पीछे, वीआईपी रोड, रायपुर, (छ.ग.)

फोन : 0771-4044047

ईमेल: khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं. 118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने हैं। इसमें संपादक व मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक एवं मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

इस अंक में

हर घर हो रहे रोशन

देश के विशेष रूप से कमजोर एवं पिछड़ी जनजातीय समूहों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान योजना प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सफल नेतृत्व में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान अंतर्गत राज्य के विशेष रूप से कमजोर एवं पिछड़ी जनजातीय समूहों के घरों को सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण का कार्य किया जा रहा है। क्रेडा के सीईओ राजेश सिंह राणा ने बताया कि पी.एम. जनमन अंतर्गत.....

08

ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले जानें, क्या है ब्रशिंग स्कैम

11

हम सभी ऑनलाइन शॉपिंग पसंद करते हैं। यह आसान और टाइम सेविंग होता है। साथ ही अक्सर ये आपको बेस्ट डील्स और डिस्काउंट पाने में मदद भी करते हैं।

इको टूरिज्म का मॉडल जबर्रा

12

छत्तीसगढ़ राज्य में अनेक पर्यटन स्थलों में से एक जिला मुख्यालय धमतरी से 55 किलोमीटर की दूर

मुद्रा योजना की बदौलत खड़ा किया अपना डेयरी का व्यवसाय

14

नीतू चंवर अम्बिकापुर के ठनगनपारा में अपने दो बच्चों के साथ रहती हैं। कभी कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन करने वाली नीतू की जिंदगी

नए साल का स्वागत साहित्य की खुशरंग कलम से

17

कैलेंडर के पन्नों में बंधे इस साल में खुशियों को जीने के लिए टेक्निकली एक दिन ज़्यादा मिले, यानी 366 दिन क्योंकि 2024..

हसदेव क्रिएटर्स हब से युवाओं को मिलेगा ग्लोबल मंच

20

नए साल में जांजगीर चांपा क्षेत्र के युवाओं को उनकी रचनात्मकता को निखारने के लिए ग्लोबल मंच मिल गया है।

नवा रायपुर में बनेगा छत्तीसगढ़ का पहला फार्मास्युटिकल पार्क

22

छत्तीसगढ़ में सेंट्रल इंडिया का नया फार्मास्युटिकल हब बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसके लिए मंजूरी दे दी है।...

शैलचित्रों की दुर्लभ श्रृंखला का गढ़

31

हर सभ्यता वक्त की रेत पर अपने निशान छोड़ जाती है, ऐसे ही शैलचित्रों की अनोखी दुर्लभ श्रृंखला रायगढ़ की पहाड़ियों में बिखरी हुई है

सनी लियोनी का ग्लैमरस लुक बटोर रहा सुर्खियां

38

सनी लियोनी ने अपना लेटेस्ट लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. इस नए लुक में सनी ने रेड और पिंक रंग की स्टाइलिश ड्रेस से प्रशंसकों का दिल जीत लिया है.

शीशमहल पर बड़ी सियासत वादों का क्या होगा

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

दिल्ली चुनाव की घोषणा होने के बाद सियासत पूरी तरह से गरमा गई है। ऐसे में हर राज्य विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों के पास कई मुद्दे होते हैं, वह जनता से ज्यादा से ज्यादा वोट लेने के लिए जनता के लिए लोकलुभावन वादे भी करते है, योजनाएं भी लेकर आते हैं कि हम महिलाओं को इतना हजार देंगे, पुजारी ग्रंथी को इतना हजार देंगे, युवाओं को इतना पैसा देंगे। कोई कहेगा हम खटाखट देंगे तो कोई कहेगा हम फटाफट देंगे। राज्य में बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा फ्री है तो हम आएंगे तो हम भी फ्री करेंगे। यह सरकार पांच लाख तक फ्री इलाज कराएगी तो हम 25 लाख तक फ्री इलाज कराएंगे। यह सरकार महिलाओं को 2100 देगी तो हम 2500 देंगे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में यह मुद्दे तो हैं लेकिन यह बड़े मुद्दे नहीं हैं। इनको राजनीतिक दल बड़ा मुद्दा नहीं बना सके हैं। भाजपा व मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बना दिया है। वहां के सीएम के लिए बनाए गए शीशमहल को भाजपा ने भ्रष्टाचार का प्रतीक बना दिया है। भाजपा ने ऐसा इसलिए किया है कि वह जनता को बताना चाहती है कि यह केजरीवाल 2015 व 2020 वाला केजरीवाल नहीं है। जो भ्रष्टाचार का विरोध करते थे, कहते थे भ्रष्टाचार दूसरे करते हैं, हम तो कट्टर ईमानदार हैं। हम तो राजनीति बदलने आए हैं। भाजपा व मोदी दिल्ली की जनता को बता रहे हैं कि यह कट्टर बेईमान केजरीवाल है। यह कहते थे हमारी सरकार आएगी तो हम बंगला नहीं लेंगे हम बंगले में नहीं रहेंगे, आज यही केजरीवाल अपने रहने के लिए करोड़ो रुपए की लागत से बने शीशमहल में रहना पसंद करते है। राजनीति बदलने का दावा करनेवाले केजरीवाल भी वही गंदी राजनीति कर रहा है जिसमें भ्रष्टाचार करना अनिवार्य माना जाता है, इसके आने से दिल्ली की राजनीति बदली नहीं है और गंदी हो गई है। भाजपा की सफलता यह है कि केजरीवाल के शीशमहल को उसने बड़ा चुनावी मुद्दा बना दिया है।इतना बड़ा मुद्दा बना दिया है कि केजरीवाल के फ्री के वादे,हजारों रुपए देने के वादे सब छोटे हो गए हैं। पीएम मोदी ने केजरीवाल और उनकी सरकार की जैसी आलोचना की है, वैसी आज तक कोई नहीं कर सका है, उन्होंने दिल्ली की जनता से कहा है कि केजरीवाल और आप की सरकार दिल्ली के लिए आपदा है। इस बार इसे बदल कर आप आपदा से मुक्ति पाएं। आप और केजरीवाल को शीशमहल व आपदा का जबाव देते नहीं बन रहा है।

वह शीशमहल को पीएम आवास और देश के लिए बन रहे पीएम आवास से तुलना कर जायज बताने का प्रयास कर रहे हैं, वह मांग कर रहे हैं कि जनता को शीशमहल व पीएम आवास देखने की इजाजत मिलनी चाहिए ताकि जनता देख सके कि सीएम रहे केजरीवाल का घर कैसा है और मोदी का घर कैसा है।केजरीवाल के शीशमहल व पीएम आवास की तुलना तो हो नहीं सकती। आप वालों को शीशमहल जनता को दिखाना था तब क्यों नहीं दिखाया जब उसमें केजरीवाल रहते थे,तब तो मीडिया वालों को अंदर घुसने नहीं दिया गया। शीशमहल के मुद्दे को उठाने वाले मुद्दे पत्रकार से बदतमीजी की गई, एक पत्रकार को पंजाब में गिरफ्तार कर लिया था।

दिल्ली विधानसभा चुनाव...

क्या भाजपा 26 साल के वनवास से लौटेगी वापस !

2025 में क्या सियासी ग्रहण को दूर कर पाएगी बीजेपी

दिल्ली का वोटिंग पैटर्न अलग

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी, बीजेपी और कांग्रेस के बीच शह-मात का खेल शुरू हो गया है. केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में विधानसभा बहाल होने के बाद 1993 में पहली बार विधानसभा चुनाव हुए थे. उसके बाद से राजधानी में सात बार विधानसभा चुनाव हुए हैं. बीजेपी महज एक बार साल 1993 में ही जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी. 1998 में उसके हाथों से सत्ता गई तो फिर वापसी नहीं हुई. ऐसे में सवाल उठता है कि दिल्ली का दिल बीजेपी क्यों नहीं जीत पाती है और 2025 में क्या सियासी ग्रहण को दूर कर पाएगी.

आम आदमी पत्रिका

बीजेपी पिछले 26 साल से दिल्ली में सत्ता का वनवास झेल रही है. 15 साल तक शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस के सामने खड़ी नहीं हो सकी. शीला दीक्षित के बाद से 11 साल से आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के आगे पस्त नजर आई है. अब फिर से दिल्ली विधानसभा चुनाव की सियासी तपिश बढ़ गई है. बीजेपी 2025 में होने वाले विधानसभा में हर हाल में दिल्ली में कमल खिलाना चाहती है, जिसके लिए पूरी ताकत झोंक रखी है. इसके बाद भी बीजेपी के लिए दिल्ली के सत्ता की राह आसान नहीं है. मोदी-शाह की जोड़ी 2014 लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी के लिए जीत हासिल करने की गांरटी बन गई थी. ऐसे में देखते ही देखते देश के एक के बाद एक राज्यों में बीजेपी अपनी जीत का परचम फहराती रही. उत्तर से दक्षिण और पश्चिम से पूर्वोत्तर राज्यों तक बीजेपी की जीत का डंका बजने लगा. बीजेपी की जीत का श्रेय नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी को दिया गया लेकिन केंद्र सरकार के नाक के नीचे दिल्ली में 2015 और 2020 में दो बार चुनाव हुए. इन दोनों ही चुनावों में मोदी-शाह की जोड़ी केजरीवाल के सामने अपना असर नहीं दिखा सकी. इसके पीछे सबसे बड़ी वजह क्या है, जिसके चलते बीजेपी दिल्ली की जंग फतह नहीं पा रही?

दिल्ली का अलग-अलग वोटिंग पैटर्न

दिल्ली के सियासी मिजाज को बीजेपी समझ नहीं पा रही है. देश के दूसरे राज्यों के फॉर्मूले पर दिल्ली के विधानसभा चुनाव नहीं जीता जा सकता है. दिल्ली जाति और धर्म की सियासत को कभी तवज्जो नहीं नहीं देती है. इसके अलावा दिल्ली के लोग नकारात्मक चुनाव प्रचार को अहमियत नहीं देते, क्योंकि दिल्ली में एक बड़ा तबका कारोबारियों का है. दिल्ली में तीन तरह के चुनाव होते हैं और तीनों में वोटिंग पैटर्न अलग-अलग हैं. लोकसभा चुनाव में दिल्ली की पसंद बीजेपी रही तो विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी. पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के दौर में भी ऐसा ही था, जब विधानसभा में कांग्रेस को कामयाबी मिली थी तो लोकसभा में बीजेपी को. एमसीडी चुनाव में पहले बीजेपी का कब्जा रहा, लेकिन अब आम आदमी पार्टी का है.

मदनलाल खुराना जैसे चेहरे की कमी

दिल्ली के चुनाव में पार्टी से ज्यादा नेता का व्यक्तित्व मायने रखता है. साल 1993 में बीजेपी ने मदन लाल खुरना को आगे कर सत्ता हासिल की थी, लेकिन सिर्फ पांच साल के दौरान बीजेपी को तीन बार सीएम बदलना पड़ा. नतीजा यह हुआ कि दिल्ली की जनता के बीच बीजेपी की तरफ से गलत राजनीतिक संदेश गया और इसका खामियाजा उसे 1998 के चुनाव में भुगतना पड़ा. इसके बाद से बीजेपी दिल्ली की सियासत में अपना कोई ऐसा नेता खड़ी नहीं कर सकी, जो शीला दीक्षित और अरविंद केजरीवाल के सामने चुनौती पेश कर सके. 1998 के चुनाव में कांग्रेस को जीत दिलाने वाली शीला दीक्षित 15 साल तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं. शीला दीक्षित ने खुद को कांग्रेस पार्टी के सामनांतर खड़ा किया था. दिल्ली में उन्होंने विकास का अपना एक मॉडल बनाया, जिसके दम पर वो 1998 से 2013 तक एकक्षत्र राज करती रहीं. बीजेपी इन 15 सालों तक कांग्रेस को चुनौती नहीं दे सकी और न ही कभी भी शीला के कद का कोई अन्य नेता उनके सामने खड़ा नहीं कर पाई.

मोदी बोले... दिल्ली वाले कह रहे.... आप-दा नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे

● दिल्ली ऑक्सीजन और दवाओं के लिए जूझ रही थी, तब 'आप-दा' के नेता का ध्यान 'शीश महल' पर था

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के रोहिणी में एक जनसभा को संबोधित किया। वहां उमड़ी लोगों की भारी भीड़ के जोश को देखते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली का ये उत्साह, उमंग और हौसला अद्भुत है। पीएम ने कहा कि दिल्ली सहित देशभर के लोग आने वाले 25 साल में विकसित भारत की यात्रा के भागीदार बनने वाले हैं। उन्होंने कहा मैं दिल्लीवासियों से दिल्ली के उज्जवल भविष्य के लिए भाजपा को अवसर देने का आग्रह करने आया हूं। ये भाजपा ही है जो दिल्ली का विकास कर सकती है'. पीएम मोदी ने कहा कि बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है...वो किसी आप-दा से कम नहीं है। ये ऐहसास आज दिल्लीवालों को अच्छे से हो चुका है। इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज़ गूंज रही है- आप-दा नहीं सहेंगे...बदल के रहेंगे !

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा विकास के लिए समर्पित भाव से जन-जन का कल्याण करते हुए आगे बढ़ने वाली पार्टी है। इसलिए, देश भी भाजपा पर इतना विश्वास जता रहा है और बार-बार अवसर दे रहा है। उन्होंने कहा, 'बीते वर्षों में दिल्ली के लोगों ने देखा है, नॉर्थ ईस्ट में कमल खिला, ओडिशा में कमल खिला, अभी हाल में ही हरियाणा ने लगातार तीसरी बार भाजपा को पूर्ण बहुमत से चुना है। महाराष्ट्र ने भाजपा को इतिहास का सबसे बड़ा जनादेश दिया है, दिल्ली ने भी एक बार फिर हमारे सभी सांसदों को अपना आशीर्वाद दिया और अब मुझे विश्वास है, दिल्ली विधानसभा में भी कमल खिलने वाला है! पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली नौजवानों के लिए नए भविष्य के निर्माण का शहर बने, इसके लिए भाजपा पूरे समर्पण के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा, 'हम दिल्ली को दुनिया की एक ऐसी राजधानी बनाना चाहते हैं, जो अर्बन डवलपमेंट का मॉडल बने। ये तभी हो सकता है, जब दिल्ली में केंद्र और राज्य, दोनों में भाजपा की सरकार काम करे।

विकास और सुशासन का डबल इंजन आएगा

'शीशमहल' का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने दिल्ली सरकार पर जोरदार निशाना साधते हुए एक अखबार की खबर का जिक्र किया और कहा कि इसपर बजट से तीन गुना ज्यादा पैसे खर्च किए गए। इसलिए आज हर दिल्लीवाला कह रहा है- आप-दा नहीं सहेंगे...बदल के रहेंगे! उन्होंने कहा, 'जबसे मैंने, आप-दा का कच्चा-चिट्ठा खोला है, तबसे ये तिलमिलाए हुए हैं। इसलिए जब दिल्ली से आप-दा हटेगी, तो ही विकास और सुशासन का डबल इंजन आएगा'। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप-दा गरीब और मिडिल क्लास की सुविधा को रोकती है। 'प्रधानमंत्री आवास योजना हो, गरीबों के लिए पक्के घर बनाने हो या फिर पानी और सीवर की समस्या का समाधान, विकास के हर काम में रोड़े अटकाए जाते हैं। उन्होंने कहा, 'देशभर में करोड़ों परिवारों को आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज मिल रहा है। वहीं करोड़ों बुजुर्गों को भी मुफ्त इलाज मिलना तय हो चुका है।

चुनावी मुकाबला

आप के वोटर पर बीजेपी का फोकस !

1998 से दिल्ली की सत्ता से बाहर चल रही बीजेपी ने 25 साल के सूखे को खत्म करने के लिए अब चुनावी मुकाबले जोरों पर शुरू कर दिए हैं. बीजेपी के अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करीब 1700 मकानों की चाबी सौंपते हुए की. दरअसल, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग दिल्ली की 20 सीटों का फैसला करेंगे. बीजेपी की चुनावी रणनीति में इस पर फोकस किया गया है. कारण, यह महज संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को 1675 फ्लैटों की चाबियां सौंपकर दिल्ली के महत्वपूर्ण चुनावों का बिगुल फूंका. ये फ्लैट डीडीए ने 'जहां झुग्गी वहीं मकान' योजना के तहत तैयार किए हैं.

आम आदमी पत्रिका

दिल्ली में बीजेपी 1998 से हार रही है. पहले उसे शीला दीक्षित ने हराया और फिर अरविंद केजरीवाल का तोड़ वो नहीं खोज पाई. पिछले 3 चुनावों में BJP ने अपने मुख्यमंत्री उम्मीदवार के चेहरों को बदला. नए-नए प्रदेश अध्यक्षों को मौका दिया लेकिन नतीजा नहीं बदला. इस बार बीजेपी झुग्गी में रहने वाले लोगों पर फोकस कर रही है, जिन्हें आम आदमी पार्टी का वोटर माना जाता है. दरअसल, दिल्ली की 750 झुग्गियों में 30 लाख लोग रहते हैं, जिनमें से आधे पंजीकृत मतदाता हैं और अरविंद केजरीवाल इन झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को एक मजबूत वोट बैंक में बदलने में सफल रहे हैं. यही वह वोट बैंक है जिसे बीजेपी अब अपने वोट आधार को मजबूत करने के अलावा सेंध लगाने की कोशिश कर रही है.

इन सीटों पर सबसे ज्यादा झुग्गियों में रहने वाले वोटर

झुग्गी मतदाताओं के बड़े आधार वाले विधानसभा क्षेत्र नरेला, आदर्श नगर, वजीरपुर, मॉडल टाउन, राजेंद्र नगर, संगम विहार, बदरपुर, तुगलकाबाद, अंबेडकर नगर, सीमापुरी, बाबरपुर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, ओखला, मोती नगर, मादीपुर, शालीमार बाग, मटियाला और किरारी हैं. पारंपरिक रूप से, इस वोट बैंक ने आम आदमी पार्टी की की कल्याणकारी योजनाओं- जिसमें मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए बस की सवारी, सब्सिडी वाली स्वास्थ्य सेवा और बेहतर स्वच्छता शामिल हैं, के कारण भारी समर्थन दिया है. फिर भी, बीजेपी अनसुलझे मुद्दों को सुर्खियों में लाकर और खुद को समाधान-संचालित विकल्प के रूप में पेश करके इस वोट बैंक को आकर्षित करने में जुटी है. भले ही इस चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के बीच कोई गठबंधन नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में चुनाव मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है.

लोकसभा में बीजेपी रही लोगों की पसंद

बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी के लोगों ने पिछले तीन लोकसभा चुनावों 2014, 2019 और 2024 में बीजेपी को अपना आशीर्वाद दिया और सभी सातों लोकसभा सीटों पर जीत दिलाई. वहीं एक दशक से जैसे ही विधानसभा चुनावों की बात आती, दिल्ली का वोटर आम आदमी पार्टी को सत्ता में ले आता. बीजेपी अब इस सूखे को खत्म करने की कोशिश कर रही है. उसका मानना है कि इस चुनाव में अरविंद केजरीवाल सत्ता से बाहर होंगे. केजरीवाल दिल्ली की जनता से किए गए वादों को पूरा करने में असमर्थ रहे हैं. बीजेपी नेताओं ने आजतक से कहा कि दिल्ली की जनता तंग आ चुकी है और यह अब साफ नजर आ रहा है. बीजेपी का कहना है कि तीन चीजें जिन पर अरविंद केजरीवाल बात नहीं करना चाहते हैं, वे हैं - सड़कों की स्थिति, पानी की उपलब्धता और शिक्षा।

गांव-गांव में अब नया उजाला

हर घर हो रहे रोशन

देश के विशेष रूप से कमजोर एवं पिछड़ी जनजातीय समूहों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान योजना प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सफल नेतृत्व में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान अंतर्गत राज्य के विशेष रूप से कमजोर एवं पिछड़ी जनजातीय समूहों के घरों को सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण का कार्य किया जा रहा है। क्रेडा के सीईओ राजेश सिंह राणा ने बताया कि पी.एम. जनमन अंतर्गत राज्य के 17 जिलों के173 बसाहटों में निवासरत एवं अविद्युतीकृत कुल 1578 पी.वी.टी.जी. घरों को 300 वॉट क्षमता के सोलर होम लाईट संयंत्रों के माध्यम से विद्युतीकरण किये जाने हेतु एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एम.एन.आर.ई.) द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। अब तक जिला कबीरधाम एवं सरगुजा के 11 बसाहटों के कुल 210 पी.वी.टी.जी. घरों को 300 वॉट क्षमता के सोलर होम लाईट संयंत्रों की स्थापना कर सौर विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है जिससे निवासरत हितग्राहियों को बिजली की सुविधा उपलब्ध हो सकी है। इस कदम से इनके घरों में बिजली की समस्या दूर हो गई है और ग्रामीणों को अंधेरे से मुक्ति मिली है तथा इनके रहन-सहन व जीवन शैली में सुधार हो रहा है।

आम आदमी पत्रिका

राणा ने बहुत ही हर्ष से बताया कि जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त जानकारी अनुसार पी.एम. जनमन अंतर्गत सौर ऊर्जा से लाभान्वित हितग्राहियों से राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर सीधे संवाद करेंगी। इस हेतु राज्य के तीन हितग्राहियों यथा जगतिन बाई बैगा ग्राम पटपरी,तितरी बाई बैगा एवं बली बाई बैगा ग्राम तेलियापानी-लेदरा विकासखण्ड पंडरिया जिला कबीरधाम का चयन किया गया है। पी.एम. जनमन अंतर्गत स्वीकृत सभी अविद्युतीकृत पी.वी.टी.जी. घरों को फरवरी 2025 तक सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य के पिछड़े समूहों के उद्धार के लिए विशेष प्रयास निरंतर रूप से किये जा रहे है। चाहे वह केन्द्र सरकार से उनके द्वारा संचालित योजनाओं का राज्य के क्रियान्वयन से संबंधित हो या स्वयं नियद नेल्लानार योजना जैसी अभूतपूर्व योजनाओं को प्रारम्भ कर क्षेत्र के रहवासियों को लाभ दिलाने के लिए प्रदेश के मुखिया हर प्रकार से कटिबद्ध नजर आते हैं कि प्रदेश के नागरिकों खासकर प्रदेश के मूल निवासियों को ज्ञान,विज्ञान, मूलभूत सुविधाएं प्राप्त हो व हर क्षेत्र में अग्रणी बनें। क्रेडा सीईओ राजेश सिंह राणा ने मुख्य योजनाओं जल जीवन मिशन,सोलर हाई मास्ट, सौर समाधान एप्प एवं अन्य परियोजनाओं की विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त जिलों के जिला प्रभारियों एवं विभिन्न जिलों मे कार्य कर रही इकाईयों की समीक्षा बैठक ली गई। इस बैठक में प्रदेश में संचालित क्रेडा के जोनल कार्यालय के कार्यपालन अभियंता एवं जिला कार्यालयों से जिला प्रभारी/सहायक अभियंता एवं संबंधित इकाईयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सर्वप्रथम क्रेडा सीईओ राजेश सिंह राणा द्वारा सौर समाधान मोबाईल एप्प पर समस्त परियोजनाओं से संबंधित शिकायतों का जिलेवार समीक्षा की गई।

जिसमे विभिन्न जिलों के अधिकारियों द्वारा सौर समाधान एप्प के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के संबंध में की गई कार्यवाही का शिकायतवार अवलोकन करते हुए निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निराकरण करने के उपरांत जिला प्रभारी स्वयं कार्य का निरीक्षण करके एवं निराकरण की पुष्टि एप्प के माध्यम से कर सौर समाधान एप्प में शिकायत निराकृत दर्शित करेंगे। इसी क्रम में ऐसे प्रकरण जिनमे जिला प्रभारियों द्वारा संयंत्र स्थापनाकर्ता इकाईयों की प्रतिभूति राशि से राशि काटकर संयंत्रों को कार्यशील करने का प्रस्ताव दिया गया है, में यथाशीघ्र कार्यवाही करते हुए संयंत्रों को कार्यशील किये जाने के निर्देश संबंधित शाखा प्रभारियों को दिये गए। साथ ही श्री राणा द्वारा संबंधित समस्त जोनल व जिला प्रभारियों दो-टूक शब्दों में कहा गया कि संयंत्र के शत-प्रतिशत कार्यशील नही हो जाने तक शिकायत को निराकृत कतई मान्य नही किया जायेगा। राणा द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों से कहा गया कि सौर समाधान एप्प के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के शीघ्र व गुणवत्ता पूर्ण निराकरण के आधार पर ही अधिकारियों की दक्षता का आंकलन किया जायेगा। इसलिए सौर समाधान एप्प के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए गुणवत्तापूर्ण निराकरण की कार्यवाही हेतु तत्पर व सजग रहें। सौर समाधान मोबाईल एप्प को जनसमुदायों तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश सभी जिला प्रभारियों को दिये गए।

प्रदेश को उच्च शिखर तक ले जाने की दिशा में

राणा द्वारा प्रदेश में पेयजल व्यवस्था हेतु संचालित जल जीवन मिशन योजनांतर्गत स्थापित किये जा रहे टंकी युक्त सोलर पंपों के अप्रारंभ कार्य एवं अनुपयुक्त स्थलों के संबंध में चर्चा की गई जिसमें अप्रारंभ कार्यों में आ रही समस्याओं को एवं अनुपयुक्त स्थलों की जानकारी लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग (पी.एच.ई.) के माध्यम से निराकरण किया जाकर कार्यों को जल्द से जल्द प्रारंभ करने एवं समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया, तथा कार्यरत् इकाईयों द्वारा समय-सीमा में कार्य प्रारंभ/पूर्ण न किये जाने की स्थिति में कार्यों के निरस्त कर दिये जाने की चेतावनी दी गई। इसके बाद क्रेडा सीईओ राणा द्वारा प्रदेश के चयनित स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराने की राज्य की बहुत ही आकर्षक एवं पसंदीदा सोलर हाईमास्ट योजना की समीक्षा की गई। योजनांतर्गत लंबित सर्वे एवं प्रगतिरत कार्य एवं अप्रारंभ कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई जिसमें सोलर हाईमास्ट संयंत्रों की स्थापना हेतु जारी एल.ओ.आई के विरूद्ध इकाईयों को सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर सर्वे रिपोर्ट संबंधित जिला कार्यालयों में जमा करने के निर्देश दिये गये साथ ही अप्रारंभ कार्यों को जल्द से जल्द प्रारंभ करते हुऐ समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है। कार्यरत् इकाईयों द्वारा समयसीमा में कार्य प्रारंभ/पूर्ण न किये जाने की स्थिति में कार्यों के निरस्त कर दिये जाने की चेतावनी दी गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी,क्रेडा द्वारा सभी अधिकारियों एवं स्थापनाकर्ता इकाईयों को कतिपय कारणों से अकार्यशील सौर संयंत्रों को निर्धारित समय-सीमा में सुधार कर कार्यशील करने के निर्देश दिये गये ताकि हितग्राहियों को सौर संयंत्रों का सम्पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके। बैठक में राजेश सिंह राणा,मुख्य कार्यपालन अधिकारी,क्रेडा के साथ जे.एन.बैगा,कार्यपालन अभियंता, संतोष कुमार,कार्यपालन अभियंता, कमल पुरेना, कार्यपालन अभियंता, निखिल गर्ग,सहायक अभियंता एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा क्रेडा में पंजीकृत व विभिन्न योजनाओं में कार्यरत् इकाईयाँ उपस्थित रहे। क्रेडा सीईओ राणा द्वारा अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को उच्च शिखर तक ले जाने की दिशा में सतत् प्रयास मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में किया जा रहा है, जिनके सकारात्मक परिणाम नित्य ही प्राप्त हो रहे हैं।

क्रेडा सीईओ के सौर संयंत्रों के गुणवत्ता व संचालन कार्यों पर सख्त तेवर

भारत सरकार एवं राज्य सरकार की सौर आधारित महत्तवपूर्ण योजनाओं के माध्यम से राज्य के नागरिकों को लाभ पहुंचाने का कार्य गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के क्रियान्वयन हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार की नोडल एजेंसी क्रेडा द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार कार्यों की उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं इसमे जीरो टॉलरेंस नीति को फलीभूत करने का कार्य क्रेडा सीईओ राजेश सिंह राणा द्वारा सत्त रूप से किया जा रहा है। इस जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत संयंत्रों के गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राणा द्वारा स्वयं ही ताबड़तोड दौरे किये जा रहे है। इसी की निरंतरता में राजेश सिंह राणा, सीईओ, क्रेडा ने बिलासपुर संभाग के मुंगेली एवं बिलासपुर जिलों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन योजना, सौर सुजला योजना, ग्रामीण विद्युतीकरण इत्यादि योजनाओं के अंतर्गत स्थापित सोलर संयंत्रों का औचक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम सी.ई.ओ. क्रेडा द्वारा लोरमी विकासखण्ड के ग्राम बांधवा में क्रेडा की पंजीकृत इकाई मेसर्स साई कन्स्ट्रक्शन द्वारा स्थापित 2.4 किलोवॉट ऑफ ग्रिड सोलर पॉवर प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि उक्त संयंत्र के माध्यम से स्कूल में उपलब्ध सभी टी.व्ही. यूनिट संचालित किये जा रहे है, स्कूल के प्राचार्य श्री जितेन्द्र सिंह तनवर द्वारा बताया गया कि सोलर पॉवर प्लांट के माध्यम से टी.व्ही., लाईट, पंखा इत्यादि सभी उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है, एवं इससे हमे निर्बाध रूप से बिजली की आपूर्ती मिल रही है, एवं इससे हम बहुत खुश है। साथ ही उनके द्वारा क्रेडा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए क्रेडा सी.ई.ओ. श्री राणा एवं विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

अब आम जनता को राहतों का दौर...

छत्तीसगढ़ में डिजिटल गवर्नेंस मॉडल

मुख्यमंत्री ने धमतरी में स्वामित्व कार्डो के वितरण का किया शुभारंभ

हमने छत्तीसगढ़ में नागरिक सुविधाओं को सुगम एवं सशक्त करने के लिए डिजिटल गवर्नेंस के मॉडल को अपनाया है। सभी विभागों में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों का उपयोग किया जा रहा है जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुगमतापूर्वक योजनाओं की पहुंच आसानी से हो सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धमतरी जिले में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह में उक्त बात कही। कार्यक्रम में उन्होंने 268 करोड़ रूपए के विकास कार्यो का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

चित्रोत्पला महानदी का विशेष वरदान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि धमतरी जिले को चित्रोत्पला महानदी का विशेष वरदान प्राप्त है। खेती-किसानी के क्षेत्र में धमतरी जिला हमेशा से अग्रणी रहा है। किसान भाई भरपूर मेहनत कर अच्छी फसल ले रहे हैं। धान के अलावा दलहन-तिलहन की फसल भी ले रहे हैं। इन सबके लिए भरपूर पानी चाहिए, इसके लिए जल संरक्षण बहुत जरूरी है। धमतरी जिले में जल संरक्षण को लेकर व्यापक कार्य हुए हैं। जल की एक-एक बूंद को बचाने की पहल की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों से किसानों को भरपूर लाभ मिल रहा है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी के माध्यम से छत्तीसगढ़ में सबसे अच्छा मूल्य किसानों को मिल रहा है। प्रदेश में अब तक 20 लाख से अधिक किसानों से हमने लगभग 106 लाख मीट्रिक टन धान खरीद लिया है। अब तक 23 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि का भुगतान हम किसान भाइयों को कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले के एक लाख 7 हजार किसानों ने 4 लाख 82 हजार मीट्रिक टन धान बेचा है। अब तक इनके खातों में 1 हजार 111 करोड़ रुपए दिये जा चुके हैं।

शहर से लेकर दूरस्थ ग्रामों तक विकास

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में सभी वर्गों को विभिन्न योजनाओं का लाभ बराबर मिल रहा है। श्री साव ने कहा कि शहर से लेकर दूरस्थ ग्रामों तक विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्वामित्व योजना इत्यादि का लाभ लोग उठा रहे हैं। प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने स्वामित्व योजना अंतर्गत जिले में अधिकार अभिलेखों के वितरण पर संबंधित हितग्राहियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश सरकार के एक साल सुशासन में योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। विधायक कुरूद अजय चन्द्राकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी की गारंटी के अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले में उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। आने वाले दिनों में इन उद्योगों के क्रियाशील होने और इनसे रोजगार सृजन की बात कही। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार द्वारा एक साल के सुशासन में अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि स्वामित्व कार्ड के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर निवास करने वाले ग्रामीणों की बड़ी समस्या आज दूर हो रही है। इन लोगों को आबादी भूमि पर स्वामित्व के पक्के दस्तावेज मिल रहे है। दस्तावेज नहीं होने के कारण अक्सर विवाद की स्थिति में मामले न्यायालयों में सालों-साल लंबित रहते थे। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समस्या को समझा और उसे दूर करने के लिए तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत को महाशक्ति बनना है तो भारत को तकनीक दृष्टि से सक्षम होना ही पड़ेगा। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार ने हर स्तर पर डिजिटल गवर्नेंस को अपनाया है। रजिस्ट्री में लोगों को आसानी हो, यह पारदर्शी प्रक्रिया से हो, इसके लिए हमने सुगम एप तैयार किया है। दस्तावेजों के डिजिटलीकरण के लिए भी हम काम कर रहे हैं। स्वामित्व योजना के लिए जो ड्रोन सर्वे हमने कराये, इससे आबादी भूमि का अद्यतन नक्शा हमारे पास तैयार हो गया है, इसके कई लाभ हमें मिलेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ग्राम पंचायत की विकास योजना अर्थात जीपीडीपी बनाने में इससे काफी मदद मिलेगी। इससे शासकीय और सार्वजनिक संपत्ति की देखरेख करने में काफी मदद मिलेगी और अतिक्रमण की संभावना समाप्त होंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार यह सोचा कि कमार बसाहटों तक भी सड़क पहुंचनी चाहिए, इनके लिए भी साफ पानी होना चाहिए, बिजली होना चाहिए, बच्चों के लिए स्कूल होना चाहिए। जब ऐसी संवेदनशीलता मन में होती है तभी पीएमजनमन जैसी योजना अस्तित्व में आती है। एक साल के भीतर प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से कमार जनजाति की बसाहटों में विकास का उजाला फैला है। लगभग 47 करोड़ रुपए की लागत से 36 सड़कें हमने बनाई हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास, सौभाग्य योजना, जलजीवन मिशन, पीएम जनमन योजना सारी योजनाएं नागरिकों के जीवन को आसान करती हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए विकास की राह खोलती हैं।

रहिये सावधान

ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले जानें, क्या है ब्रशिंग स्कैम

हम सभी ऑनलाइन शॉपिंग पसंद करते हैं। यह आसान और टाइम सेविंग होता है। साथ ही अक्सर ये आपको बेस्ट डील्स और डिस्काउंट पाने में मदद भी करते हैं। हालांकि, जैसे-जैसे बहुत से लोग ऑनलाइन अपनी खरीदारी करने में व्यस्त हैं, स्कैमर्स भी पर्सनल फायदे के लिए उन्हें ट्रिक करने के तरीके खोज रहे हैं। हम में से ज्यादातर लोग किसी ई-कॉमर्स साइट से कुछ खरीदना है या नहीं ये तय करने के लिए प्रोडक्ट रिव्यूज और रेटिंग्स पर भरोसा करते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक स्कैमर्स अब रिव्यूज को मैनिपुलेट कर रहे हैं और प्रोडक्ट्स को फेक तरीके से पॉपुलर कर रहे हैं। ताकि फेक सेल्स जनरेट किए जा सकें। ठगी के इस नए तरीके को 'ब्रशिंग स्कैम' कहा जा रहा है।

आम आदमी पत्रिका

ब्रशिंग स्कैम एक भ्रम फैलाने वाला ऑनलाइन प्रैक्टिस है जिसमें स्कैमर्स लोगों को नकली प्रोडक्ट भेजते हैं और फिर ऑनलाइन उनके नाम से रिव्यूज पोस्ट करते हैं। 'ब्रशिंग' शब्द चीनी ई-कॉमर्स प्रैक्टिस से ओरिजिनेट हुआ है जहां सेलर्स नकली ऑर्डर और रिव्यूज बनाकर अपने प्रोडक्ट रेटिंग्स को बढ़ाते हैं। इस स्कैम में सेलर्स ई-कॉमर्स साइट्स के रैंडम यूजर्स को अनचाही पैकेज भेजते हैं। इन पैकेज में अक्सर सस्ते, कम क्वालिटी की चीजें जैसे कॉस्ट्यूम ज्वेलरी, छोटे गैजेट या बीज भी होते हैं। एक बार पैकेज डिलीवर हो जाने के बाद, स्कैमर्स अमेजन और AliExpress जैसे प्लेटफॉर्म पर प्रोडक्ट की विजिबिलिटी और नकली लोकप्रियता बढ़ाने के लिए प्रोडक्ट पेज पर रिसीवर के नाम का इस्तेमाल करके 5 स्टार रिव्यूज लिखते हैं।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस स्कैम का उद्देश्य बिक्री के आंकड़ों में हेरफेर करना और ई-कॉमर्स साइट्स पर प्रोडक्ट्स के लिए क्वालिटी और डिमांड का भ्रम पैदा करना है। वैलिड ग्राहकों के लिए, यह प्रैक्टिस भ्रामक है, जिससे वे रियल कस्टमर फीडबैक के बजाय नकली रिव्यूज के आधार पर खरीदारी करते हैं। लेकिन अगर यूजर्स को मुफ्त प्रोडक्ट मिल रहे हैं, तो यह वास्तव में कितना हानिकारक हो सकता है? दरअसल इस स्कैम के जरिए स्कैमर्स आपके सेंसिटिव डेटा का फायदा उठा रहे हैं और अगर आप सावधानी नहीं बरतते हैं तो आपके पैसे भी चुरा सकते हैं।

ये भी हैं जोखिम

जैसा कि हमने समझा स्कैमर्स अनजान ई-कॉमर्स यूजर्स के नाम और पते का इस्तेमाल करके, अनचाही पार्सल भेजकर प्रोडक्ट्स को पॉपुलर कर रहे हैं। साथ ही वे डेटा ब्रीच या पर्सनल डेटा की अवैध खरीदारी के जरिए ये जानकारी पाने में भी सक्षम हैं। ऐसा पैकेज पाना ये संकेत दे सकता है कि आपकी पर्सनल जानकारी से छेड़छाड़ की गई है, जिससे पहचान की चोरी और दूसरे प्राइवेसी वायलेशन जैसे महत्वपूर्ण जोखिम पैदा होते हैं। कई अनचाही पैकेज में अब क्यूआर कोड शामिल हैं जो रिसीवर से उन्हें स्कैन करने का आग्रह करते हैं। स्कैमर्स अट्रैक्टिव मैसेज का इस्तेमाल करते हैं। जैसे- 'रिव्यू लिखने और $500 का गिफ्ट कार्ड जीतने के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करें।' इन क्यूआर कोड को स्कैन करने से मैलिशियस वेबसाइटों पर पहुंचा जा सकता है जो सेंसिटिव जानकारी चुराने या आपके डिवाइस पर मैलवेयर इंस्टॉल करने के लिए डिज़ाइन की गई होती हैं। चोरी किए गए पर्सनल डेटा का इस्तेमाल तब फाइनेंशियल फ्रॉड या फ़िशिंग अटैक्स के लिए किया जा सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

- किसी भी रैंडम QR कोड को स्कैन न करें।
- अपने ई-कॉमर्स अकाउंट को टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन जैसे मेथड से सेफ रखें।
- अगर आपको ऐसा कोई पैकेज मिले तो ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को रिपोर्ट करें।

इको टूरिज्म का मॉडल जबर्रा

देशी-विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र

छत्तीसगढ़ राज्य में अनेक पर्यटन स्थलों में से एक जिला मुख्यालय धमतरी से 55 किलोमीटर की दूर पर स्थित ग्राम जबर्रा लोगों को अपनी ओर बरबस आकर्षित करता है। शांत घने जंगल के बीच पहाड़ में ट्रेकिंग का मजा, कलकल बहती नदी के किनारे सैर, सुकुन के पल बिताने रेस्ट हाउस, वन औषधियों से उपचार का तरीका बताने वैद्य, पर्वतों की सैरगाह का आनंद देने गाइड, आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाने लोगों का समूह और आदिवासी व्यंजनों की मिठास, यह सब कुछ शहर के कोलाहल से दूर वनांचल नगरी विकासखण्ड के जबर्रा में है। इसे प्रशासन के द्वारा ईको टूरिज्म के तौर पर विकसित किया गया है। जबर्रा का रोमांच दुगली से जबर्रा का 13 किलोमीटर का रास्ता पकड़ने के साथ ही शुरू हो जाता है। घने जंगलों के बीच बसा जबर्रा जंगल 5352 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जहां 300 से अधिक प्रकार की वनौषधि है।

आम आदमी पत्रिका

ईको फ्रेंडली टूरिज्म पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना पर्यटन का विकास करना है। प्रशासन द्वारा यहां के स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ दिया गया है। जबर्रा में खास बात यह है कि प्रकृति का सान्निध्य लेने ना केवल देश के बल्कि विदेशों से भी पर्यटक पहुंचते हैं। यहां दिल्ली, पुणे, बेंगलुरू, नागपुर, रायपुर, राजस्थान सहित नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, पोलैंड, जापान, लंदन और श्रीलंका से विदेशी पर्यटक आते हैं। जबर्रा में पर्यटकों की सुविधा के लिए 20 सदस्यों का समूह बना है, जिन्हें प्रशिक्षण दिया गया और इन युवाओं को जबर्रा हिलर्स नाम से जाना जाता है। इन युवाओं द्वारा जबर्रा पहुंचने वाले पर्यटकों को ना केवल ठहरने, खाने और गाईड की व्यवस्था किया जाता है, बल्कि पर्यटकों का जोर-शोर से स्वागत भी किया जाता है। देशी-विदेशी पर्यटकों को जबर्रा के पर्वत, नदी की सैर कराने के साथ ही वनौषधि की जानकारी भी दी जाती है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलने से उनके आय का जरिया तो बना ही है, बल्कि पर्यटकों को सुविधा भी मिल रही है।

ऐतिहासिक लोककथाओं से जुड़ा है पर्वत का नाम

राज्य सरकार पर्यटन और ऐतिहासिक, धार्मिक व पौराणिक महत्व के स्थलों को चिन्हांकित कर धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के अंतर्गत पर्यटन और रोमांच से भरपूर सरायपाली स्थित शिशुपाल पर्वत नए पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में उभर कर सामने आया है। इस पर्वत का ऐतिहासिक, धार्मिक और पौराणिक महत्व भी है। मकर संक्रांति और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेला का आयोजन भी होता है। महासमुंद जिले के सरायपाली स्थित शिशुपाल पर्वत ट्रैकिंग और एडवेंचर के शौकीन युवाओं के लिए एक शानदार डेस्टिनेशन है। यह स्थान अपनी अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्त्व के लिए जाना जाता है। राजधानी रायपुर से 157 किमी और सरायपाली से लगभग 20 किमी की दूरी पर स्थित यह पर्वत पर्यटकों को प्रकृति के करीब लाने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। शिशुपाल पर्वत (बूढ़ा डोंगर) समुद्र तल से 900 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए रोमांचक ट्रैकिंग मार्ग है, जो रोमांचक ट्रैकिंग का नया अनुभव कराता है।

इको टूरिज्म का नवा घरौंदा जशपुर

प्राकृतिक खूबसूरती समेटे जशपुर के मयाली की बन रही अलग पहचान

छत्तीसगढ़ का जशपुर वादियों और पहाड़ों के नाम से जाना जाता है। यहां की पहचान अब पर्यटन की दृष्टिकोण से तेजी से बढ़ रहा है। चारों तरफ हरियाली के बीच में पर्यटकों को खूब आनंद मिल रहा है। नैसर्गिक, खूबसूरती से समृद्ध छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हाल में ही पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया है। इससे निवेशक पर्यटन के क्षेत्र में निवेश करेंगे और यहां पर्यटन सुविधाओं के बढ़ने से रोजगार के नये अवसर पर भी बढ़ेंगे।

आम आदमी पत्रिका

जशपुर जिले में नैसर्गिक प्राकृतिक दृश्य से भरी वादियां तथा पहाड़ों से बहते झरने और जल प्रपात के साथ ही विशाल हरे-भरे वन यहां की नैसर्गिक सुंदरता में चार-चांद लगाते हैं। इस नेचर कैम्प का केन्द्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना में शामिल कर लिया गया है। वहीं राज्य के पर्यटन विभाग ने इस नेचर कैम्प के विकास के लिए 10 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की है। मुख्यमंत्री के प्रयासों से मधेश्वर पहाड़ को शिवलिंग की विश्व की सबसे बड़ी प्राकृतिक प्रतिकृति के रूप में मान्यता मिली है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में 'लार्जेस्ट नेचुरल फैक्सिमिली ऑफ शिवलिंग' के रूप में मधेश्वर पहाड़ को दर्ज किया गया है। इस शिवलिंग पर लोगों की बड़ी आस्था है। यहाँ सैलानी दूर-दूर से आते हैं और प्रकृति से अपने आप को जोड़ते हैं। मधेश्वर पहाड़ न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्वतारोहण और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए भी लोकप्रिय होता जा रहा है। जिला मुख्यालय से लगभग 32 किलोमीटर दूरी पर कुनकुरी ब्लॉक में मयाली नेचर पार्क है। एनएच-43 सड़कमार्ग से जाते समय चरईडांड चौक से बगीचा की ओर जाते समय कुछ ही दूरी पर मयाली नेचर कैंप स्थित है। यहां एक ओर डैम की खूबसूरती है, तो दूसरी ओर विशालतम प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ का विहंगम दृश्य दिखाई पड़ता है। चारों ओर फैली हरियाली से इसकी सुंदरता और बढ़ जाती है।

पर्यटन को उद्योग का दर्जा

मयाली डेम में बोटिंग का आनंद

मयाली डेम में लोग यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही बोटिंग का आनंद लेने के लिए भी आते हैं। यहां पर्यटकों के रात्री विश्राम की सुविधा के लिए रिर्साट बनाया गया है। यहां बटरफलाई पार्क के बाद अब कैक्टस पार्क बनाने की योजना तैयार की गई है। जशपुर के मनोरम पर्यटन स्थलों को पर्यटन वेबसाइट https://www.easemytrip.com/ में जगह दी गई है। जशपुर इस पर्यटन वेबसाइट में शामिल होने वाला प्रदेश का पहला जिला बन गया है।

जशपुर एडवेंचर टूरिज्म का नया केंद्र

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जशपुर जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में सार्थक पहल हो रही है। यह जिला अब न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि विदेशों में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। इसी कड़ी में कैरियर प्वाइंट वर्ल्ड स्कूल, बिलासपुर के आउटडोर क्लब के छात्रों ने 23 से 27 दिसंबर 2024 तक जशपुर के देश देखा क्लाइम्बिंग सेक्टर का दौरा किया। इस दौरान छात्रों ने रॉक क्लाइम्बिंग, कैंपिंग, हाइकिंग और एग्रो टूरिज्म जैसी रोमांचक गतिविधियों में भाग लिया, जो उनकी वार्षिक आउटडोर वर्कशॉप का हिस्सा थीं। इस ट्रिप का उद्देश्य छात्रों को प्रकृति के करीब लाना और उनके नेतृत्व, टीम वर्क और आत्मनिर्भरता जैसे कौशल विकसित करना था। ट्रिप के दौरान छात्रों ने जशपुर के जनजातीय उद्यमियों से मुलाकात की और उनके प्राकृतिक उत्पादों के बारे में सीखा। छात्रों ने जशप्योर ब्रांड के तहत तैयार किए गए व्यंजनों का आनंद लिया और स्थानीय गाइड्स से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। देश-देखा क्लाइम्बिंग सेक्टर, छत्तीसगढ़ क्लाइम्बिंग इनिशिएटिव के तहत विकसित किया गया है और घूमंतू टूर्स और जशप्योर जैसे स्थानीय सहयोगियों द्वारा समर्थित है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को एडवेंचर गतिविधियों के प्रति आकर्षित करना और इसे करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है। जशपुर के इस पहल से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि स्थानीय समुदायों को भी आर्थिक सहारा मिल रहा है। समिति के अध्यक्ष विपिन जी ने बताया कि देश-देखा क्लाइम्बिंग सेक्टर बनने के बाद से स्थानीय महिलाओं को दोना-पत्तल बेचकर आजीविका का साधन मिला है और गांव को परमिट से अतिरिक्त आय हो रही है।

मुद्रा योजना की बदौलत खड़ा किया अपना डेयरी का व्यवसाय

बच्चों के सर से पिता का साया उठा और घर से कमाऊ हाथ

नीतू चंवर अम्बिकापुर के ठनगनपारा में अपने दो बच्चों के साथ रहती हैं। कभी कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन करने वाली नीतू की जिंदगी आज खुशियों से भर गई है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से लोन लेकर नीतू ने डेयरी का व्यवसाय शुरू किया है और आर्थिक रूप से सशक्त हुईं। बीते सालों को याद करते हुए नीतू अपनी आपबीती बताते हुए कहतीं हैं, जो संकट का समय मैंने देखा है, वो किसी के जीवन में ना आए। उन्होंने बताया कि तीन साल पहले उनके पति का निधन हो गया। पति टेलरिंग का कार्य करते थे, जिससे रोजी-रोटी चलती थी। दो बच्चों की परवरिश, उनके पढ़ाई-लिखाई सबका खर्च, इसी काम से चल रहा था। पति का निधन हमारे जीवन में दुःखों के पहाड़ की तरह था। एक तो बच्चों के सर से उनके पिता का साया उठ जाना और ऊपर से परिवार के इकलौते कमाने वाले व्यक्ति का चले जाना। ऐसे में मेरे सामने सबसे बड़ी चुनौती बच्चों का पालन-पोषण और उनका भविष्य था, उनके भविष्य की चिंता मुझे सताने लगी। तब मैंने स्वयं कुछ काम करने का सोचा, लेकिन कुछ समझ नही आ रहा था कि कहा से और कैसे शुरू करूँ। क्योंकि किसी भी व्यवसाय के लिए पैसे की जरूरत थी, जो बचत थी, वो भी खत्म हो गई थी। ऐसे में मुझे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के बारे में पता चला। मैंने आवेदन किया, मुझे 25 हजार का लोन मिला। लोन मिलने के बाद मैंने एक गाय ख़रीदी और डेयरी का व्यवसाय शुरू किया।

काफी मुश्किल रहा समय, अब नहीं रुकूंगी, बेटी को टीचर बनाने का सपना होगा पूरा

बेटी रेणु का शिक्षिका बनने का सपना अब होगा पूरा

नीतू की बड़ी बेटी रेणु एमए की पढ़ाई कर रहीं हैं। रेणु बताती हैं कि पिता के निधन के बाद हमारा परिवार बिखर गया। मैं अपनी पढ़ाई छोड़कर मां के साथ साप्ताहिक बाजार में मनिहारी का सामान बेचने लगी और छोटा भाई रमन अपनी पढ़ाई छोड़कर प्राइवेट नौकरी करने लगा। मेरा सपना पढ़- लिखकर शिक्षिका बनने का है, आज जब हमारी आर्थिक स्थिति ठीक हो गई है, तो वो सपना भी पूरा होगा। एमए की पढ़ाई के बाद मैं बीएड करूंगी और शिक्षिका बनूंगी। वहीं भाई को भी आगे पढ़ाई करने और सरकारी नौकरी के लिए प्रेरित करूंगी।

आज नीतू के पास हैं 8 गाय, दूध बेचकर लाखों में होती है कमाई

डेयरी का व्यवसाय शुरू करने के बाद नीतू को दूध बेचकर अच्छी कमाई होने लगी। जैसे-जैसे आमदनी बढ़ती गई, नीतू ने और गाय खरीदी। आज उनके पास कुल 08 गाय हैं, जिससे नीतू रोजाना 60 लीटर दूध बेचतीं हैं। नीतू को महीने में लगभग 1 लाख रुपए तक की आमदनी होती है। गाय की देखभाल, चारा आदि के बाद भी के अच्छी खासी राशि की बचत हो जाती है।

देश की पहली रहस्यमयी गुफा छत्तीसगढ़ में...

साल में सिर्फ 1 बार खुलता है द्वार

साल में केवल एक बार खुलता है गुफा

साल में केवल एक बार अक्षय तृतीया के बाद आने वाले प्रथम सोमवार को यह गुफा खुलता है। दूर-दराज के सैकड़ों सैलानियों को इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है। हर साल राज्य के विभिन्न जिलों के अलावा मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के पर्यटक भी बड़ी संख्या में गुफा का रहस्य और रोमांच का आनंद लेने पहुंचते हैं। कुछ साल पहले पुरातत्व विभाग द्वारा इसका सर्वेक्षण किया गया था। अनुसंधान में पाया गया कि यह गुफा देश का पहला एवं एशिया का दूसरी सबसे लंबी गुफा है तथा गुफा में इतिहास के काफी रहस्य छिपे हुए हैं पर अब तक इसका विस्तृत अनुसंधान होना शेष है।

पूजा-अर्चना के बाद खुलता है गुफा का द्वार

वनांचल स्थित मंदिर मंडीपखोल गुफा ठाकुर टोला जमीदारी के अंतर्गत आता है। परंपरा अनुसार यहां के राजा या उनके परिवार के सदस्य गुफा का द्वार खोलने से पहले देवी-देवताओं का स्मरण कर पूजा-अर्चना कर गुफा का द्वार खोलते हैं।

द्वार के चट्टान को हटाने से पहले हवाई फायर भी किया जाता है ताकि कोई जंगली जानवर गुफा में हो तो यहां से निकल जाए। गुफा में सबसे पहले प्रवेश जमीदार के परिवार के लोग करते है तथा गुफा में स्थित शिवलिंग सहित अन्य देवी-देवताओं का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते हैं।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में स्थित मंडीप खोल गुफा 13 मई को सैलानियों के लिए खुली। अक्षय तृतीया मनाने के ठीक 3 दिन बाद यह गुफा का द्वार आम लोगों के लिए खोल दिया जाता है। वहीं हर साल गुफा में जाने के लिए लोगों की भारी भीड़ रहती है।

एक ही नदी को 16 बार पार कर पहुंचते हैं श्रद्धालु

सोलह बार नदी पार करना पड़ेगा

मैकाल पर्वत श्रेणिया में स्थित मंडीपखोल गुफा तक पहुंचने का सफर काफी रोमांचक है। पर्यटकों के लिए यह सफर किसी रोमांचकारी से काम नहीं है। गुफा तक पहुंचाने के लिए कोई स्थाई रास्ता नहीं है। पैलीमेटा ठाकुरटोला के बाद का रास्ता कहीं मैदान तो कही पगडंडी और पहाड़ के उबड़-खाबड़ रास्ते से होकर यहां तक पहुंचा जाता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे खास बात यह है कि एक ही नदी को अलग-अलग जगह पर 16 बार पार करना पड़ता है। जंगल के विभिन्न किस्म के वृक्ष एवं चट्टानी मार्ग से गुजर कर यहां पहुंचा जाता है।

आकृतियां आकर्षित करती हैं

मंडीपखोल गुफा को काफी रहस्य हैं। भीषण गर्मी में भी गुफा के अंदर शीतलता बनी रहती है। गुफा के अंदर का मार्ग सकरा तो कहीं चढ़ाव तो कहीं पर मैदान है। गुफा के अंदर काफी अंधेरा रहता है। स्थानीय सेवा समिति द्वारा गुफा के अंदर कुछ दूरी तक रोशनी की व्यवस्था की जाती है। आगे जाने के लिए शैलानी अपने वैकल्पिक व्यवस्था का उपयोग करते हैं। रोशनी पढ़ने पर चट्टान टिमटिमाने लगते हैं। गुफा का अंदर जगह-जगह देवी, देवता, अप्सरा, जीव जंतु की आकृति भी उभरी हुई है। अंदर जाने वाले को शाम होने से पहले बाहर आना होता है।

यहा श्वेत गंगा के नाम से है कुंड

इस रहस्यमई गुफा के अंदर श्वेत गंगा नाम का कुंड है जिसमें नहाने से सारे कुष्ठ रोग दूर हो जाते हैं। श्वेत गंगा नामक कुंड में नहा कर ही गुफा में प्रवेश कर शिवलिंग का दर्शन किया जाता है। श्वेत गंगा कुंड में डुबकी लगाने के लिए लोगों की कतार लगी रहती है। बताया जाता है कि इस कुंड में साल भर पानी निकलते रहता है।

पुलिस बल की रहती है तैनाती

इस रहस्यमय गुफा की मुख्य खास बात है कि पूरे साल भर में केवल अक्षय तृतीया के बाद पहले सोमवार को ही या गुफा खुलता है। इस रहस्यमयी गुफा में शिवलिंग की पूजा करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। पूरे रास्ते भर लोगों की भीड़ लगी रहती है। इसको लेकर सुरक्षा के लिए पुलिस बल भी तैनात रहते हैं।

भारत में **गूगल वॉलेट ऐप** लॉन्च

यूजर्स को अब एक ही जगह पर मिलेंगी ये सुविधाएं

गूगल की ओर से गूगल वॉलेट ऐप लॉन्च कर दिया गया है। इस ऐप के माध्यम से लोग आसानी से एक ही जगह पर डिजिटल दस्तावेज जैसे बोर्डिंग पास, लॉयल्टी कार्ड्स, मूवी टिकट और अन्य को हासिल कर सकते हैं। गूगल वॉलेट, भारत में मौजूद गूगल पे से एक बिल्कुल अलग ऐप है। इसकी लॉन्चिंग के बाद भी गूगल पे की सेवाएं यथावत जारी रहेंगी।

आम आदमी पत्रिका

गल ने बताया कि गूगल वॉलेट के अनुभव को बेहतर करने के लिए कंपनी ने पीवीआर, आईनॉक्स, एयर इंडिया, इंडिगो, फ्लिपकार्ट, पाइन लैब्स, कोच्चि मेट्रो, अभीबस और अन्य कंपनियों के साथ साझेदारी की है। आने वाले समय में कंपनी और पार्टनर्स को इसमें जोड़ेगी। एंड्राइड एट गूगल के जीएम और इंडिया इंजीनियरिंग के प्रमुख राम पापाटला ने कहा कि एंड्राइड इंडिया के इतिहास में गूगल वॉलेट एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये दैनिक जरूरतों की चीजों को एक ही स्थान पर लाकर लोगों की जिंदगी को आसान बनाएगा। इसके लिए हमने भारत के टॉप ब्रांड के साथ साझेदारी की है।

इसकी मदद से यूजर आसानी से लॉयल्टी कार्ड, इवेंट टिकट, ट्रांसपोर्ट पास और अन्य दैनिक जरूरतों की चीजों तक आसानी से पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। गूगल वॉलेट जीमेल के साथ भी जुड़ा होगा। गूगल द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति मूवी, आईपीएल, इवेंट आदि की टिकट बुक करता है और उसने गूगल की पर्सनलाइज्ड सेटिंग ऑन की हुई है तो उसकी टिकट अपने आप ही गूगल वॉलेट पर दिखने लग जाएगी।

गूगल वॉलेट भी पूरी तरह से सुरक्षित

गूगल ने बताया कि हमारे अन्य प्रोडक्ट्स की तरह गूगल वॉलेट भी पूरी तरह से सुरक्षित है। इसमें प्राइवेसी का पूरा ध्यान रखा गया है और यूजर का पूरा कंट्रोल होगा कि कौन-सी जानकारी वह स्टोर करना चाहता है और उसका कैसे इस्तेमाल किया जाए। गूगल वॉलेट को यूजर आसानी से गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

एलन मस्क ने भारत में बैन किए 1.8 लाख से ज्यादा अकाउंट्स

भारत में यूजर्स से 18,562 शिकायतें

एलन मस्क (Elon Musk) द्वारा संचालित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) ने अपनी कंप्लायंस रिपोर्ट जारी की है. रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने भारत में पॉलिसी उल्लंघन को लेकर 184,241 अकाउंट्स बैन किए हैं. यह आंकड़ा 26 मार्च से 25 अप्रैल, 2024 के बीच का है. इनमें ज्यादातर अकाउंट बाल यौन शोषण और नॉन-कंसेंशुअल नग्नता को बढ़ावा देने वाले थे. माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 1,303 अकाउंट्स को भी हटा दिया. कुल मिलाकर एक्स ने इस अवधि में 185,544 अकाउंट्स पर बैन लगाया.

भारत में यूजर्स से शिकायतें

एक्स ने नए आईटी नियम, 2021 के कंप्लायंस में अपनी मंथली रिपोर्ट में कहा, “उसे अपने ग्रीवेंस रिड्रेसल मैकेनिज्म के माध्यम से एक ही समय सीमा में भारत में यूजर्स से 18,562 शिकायतें प्राप्त हुईं.” इसके अलावा, कंपनी ने 118 शिकायतों पर कार्रवाई की जो अकाउंट सस्पेंशन के खिलाफ अपील कर रही थीं.

नए साल का स्वागत साहित्य की खुशरंग कलम से

लेखिका : खुशबु खुशरंग

कैलेंडर के पन्नों में बंधे इस साल में खुशियों को जीने के लिए टेक्निकली एक दिन ज़्यादा मिले, यानी 366 दिन क्योंकि 2024 लीप ईयर था! वाकई सच कहते हैं कि कैलेंडर ही तो बदलता है, जिंदगी नहीं बदलती! पर समय और नियति ने इस साल मुझे बेहद ही उम्दा और सुंदर व्यक्तित्व के लोगों से मिलाया जिसके लिये मैं इस सुंदर वर्ष की आभारी हूँ। कैलेंडर के पन्ने पलटते रहें और सुंदर यादों का कारवां बनता चला जाए, यही जीवन की असली जमा पूंजी है। हम पहले से ज़्यादा अपनी भावनाओं को लेकर कितने सरल हुए, कितने सहज हुए? हमने किसी बात पर कैसे रिएक्ट किया या समझदारी से रिस्पांड किया? हमने अपने दु:खों, अपनी पीड़ाओं से उबरने का रास्ता ढूंढा या बस रोते रहे? हमने अपने लिये क्या सीखा, क्या पढ़ा, खुश रहने के छोटे-छोटे बहानों को बटोर पाए या नहीं, असलियत में प्रेम बाँट पाए या नहीं? दूसरों को बढ़ता देख संतुष्ट और खुश रहे या नहीं? अपने सपनों की ओर बढ़े या नहीं? तमाम सवाल हैं....ये सवाल बहुत सरल हैं, लेकिन क्या इनका जवाब इतना ही आसान है? ये तो हम सभी को तय करना होगा!

2024 में लगा कि अपनी भावनाओं को शब्द नहीं दे पाई...एकदम से जैसे लिखना भूल गयी, सामान्य एहसासों और अच्छे-बुरे लम्हों को कागज़ पर उतार नहीं पाई। यकीनन 2025 में खूब सारा लिखना चाहती हूं और लिखूंगी भी। कम से हमें अपना बहीखाता खुद ही लिखना चाहिए और रेगुलर। सारे विचार, एहसास, बात, स्थितियां...सब कुछ लिख डालने की इच्छा....हर विपरीत परिस्थितियों में कैसे इस ब्रह्मांड और सकारात्मक ऊर्जा ने अलग-अलग रूप में रक्षण किया, सबलता दी, इन बातों को लेकर कई बार आश्चर्य किया, लेकिन धीरे-धीरे समझ आया कि केंद्र बिंदु ही आप स्वयं हैं। बढ़ती और बदलती दुनिया ने हमें ट्रेंड के साथ जीना सिखाया, लेकिन ट्रेंड फॉलो करने में असफल रही या शायद फॉलो करने की कोशिश ही नहीं की। हम सब अपने संस्कार लेकर जन्म लेते हैं। बढ़ते-बढ़ते यही संस्कार हमें स्वयं के साथ औरों के जीवन सँवारने के लिए प्रेरित करते हैं....और यही वजह है कि जीने के तो अपने उसूल हैं। नए ज़माने में फिट बैठने के लिए न जाने कौन से मापदण्ड पूरे करने होंगे, बड़े सतही लगने लगते हैं। मन वही पुराना सा है एकदम ओल्ड स्कूल सोल!

ये लिखते हुए गाना याद आ गया...
एक पल का जीना, फिर तो है जाना
तौफा क्या लेके जाएं, दिल ये बताना
खाली हाथ आए थे हम
खाली हाथ जाएँगे
बस प्यार के दो मीठे बोल झिलमिलाएँगे
तो हंस क्यूँ की दुनिया को है हंसाना
ऐ मेरे दिल तू गाए जा

बड़े दिनों बाद कुछ लिखा जा रहा है, वो थोड़ा सिंक्रोनाइजेशन बैठ नहीं रहा होगा जब आप पढ़ रहे होंगे, भावनाओं में इधर-उधर भटक जा रहा है चुलबुला लेखक!....कोई बात नहीं पढ़ने की इच्छा हो तो पढ़ लीजिये वरना 2026 में हम पढ़कर खुद ही खुश हो लेंगे!

खैर बात हो रही थी जीवन की तो वापस आते हैं अपने एपिसोड पर...इस साल अंग्रेज़ी में एक नया शब्द मिला पढ़ते हुए 'Procastination' जिसका मत्लब है कि किसी काम को करने की अनिच्छा के चलते उसे टालते रहना। सीधा पॉइंट पर आते हैं इसका शुद्ध अर्थ है 'अलाली', अंग्रेज़ी के महंगे शब्द नकारात्मक शब्दों को भी सुंदर बना देते हैं, एकदम एहे असन ....! हां, तो वर्तमान में जो अलाली का दौर चल रहा है न जीवन के लिए भयंकर हानिकारक सिद्ध होने वाला है। हर दिन बढ़ती अप्रिय घटनाएं, अचानक दिल के दौरे पड़ना और न जाने ज़िन्दगी का क्या भरोसा....नया दौर अपने साथ ढेर सारी चुनौतियां लेकर आ रहा है....

इतना सब देखने, सुनने, जानने के बाद भी हम अपने कर्म को स्थिर और सुंदर नहीं कर पा रहे। दरअसल यहाँ मानसिक विचारों को बेहतर बनाकर सँवारने वाली बात हो रही है। लिखते-लिखते बहुत देर हो जाएगी और समय भी इसलिए जाने देते हैं इस बात को कभी और करेंगे, उँहूँ....Procastinate नहीं कर रही हूँ जी!

बहरहाल, सभी के जीवन में उत्साह और उमंग बना रहे। मन मजबूत बना रहे, सकारात्मकता आपके साथ-साथ वेताल की तरह लटकी रहे....मन के प्रेम को असल मायने में खूब बाँटिये, कुंठित रहकर कचर-कचर में जीवन खत्म मत करिए.....

बाकी तो जो है सो तो हइये है......!

फिर से एक बार सभी को प्यार, ख्याल और दुलार पहुँचे, कृतज्ञ हूँ...नया कैलेंडर मुबारक हो!

लखपति दीदी बनने की कहानी...

अब आर्थिक तंगी के गुजरे दौर

बिहान योजना ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ सशक्त बनाने में एक अहम भूमिका निभा रही है। इस योजना ने केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। जिले के मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के डंगौरा निवासी कृष्णा सिंह की प्रेरणादायक कहानी एक मिसाल बनकर उभरी है। उनकी दृढ़ता और मेहनत ने उन्हें एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित कर दिया है, आज कृष्णा सिंह "लखपति दीदी" के नाम से जानी जाती हैं।

आम आदमी पत्रिका

कृष्णा सिंह का जीवन पहले आर्थिक तंगी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संघर्ष में बीत रहा था। उनके परिवार की आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था, और परिस्थितियां बेहद कठिन था। इसी बीच उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने इस योजना से जुड़ने का निर्णय लिया, जो उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। बिहान योजना के अंतर्गत कृष्णा सिंह ने स्टेशनरी की एक छोटी सी दुकान की शुरूआत की। कठिन परिश्रम और अदम्य इच्छाशक्ति के कारण उनकी दुकान चल पड़ा और उनका आत्मविश्वास पहले से अधिक बढ़ गया। उनके लगातार बैंक से लेन-देन के कारण उनका क्रेडिट स्कोर भी बेहतर हुआ। इससे उन्होंने बैंक से लोन लेकर अपने व्यवसाय को और अधिक विस्तार किया। कृष्ण सिंह के प्रयास और बिहान योजना की सहायता से उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ। आज श्रीमती कृष्णा सिंह की सालाना बचत एक लाख रुपए तक पहुंच गई है। उनका जीवन न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुआ है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हुई है। उनकी इस सफलता ने क्षेत्र की अन्य महिलाओं को प्रेरणा दी है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का किया आभार व्यक्त

कृष्णा सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि सरकारी योजनाएं केवल योजनाएं नही होती, बल्कि वे समाज में बदलाव लाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करती हैं। हम सब को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं लाभ अधिक-अधिक उठाना चाहिए। जिससे हम अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सकें।

अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत - कृष्णा सिंह की सफलता की कहानी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल बन चुकी है। बिहान योजना से जुड़कर वे न केवल अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार की हैं, बल्कि अपने बच्चों का भविष्य भी उज्ज्वल बना रही हैं। यह योजना महिलाओं के लिए वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करती है और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती है, जिससे वे समाज में अपनी एक नई पहचान बना सकें। बिहान योजना वास्तव में महिलाओं के जीवन को संवारने और उनके सपनों को साकार करने का एक सशक्त माध्यम है। श्रीमती कृष्णा सिंह की सफलता इस बात का प्रमाण है कि इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन के बल पर किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। उनकी यह यात्रा उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणादायक साबित हो सकती है, जो महिलाएं बेहतर भविष्य का सपना देखती है।

स्टार्टअप से घाटा हुआ फिर फीस कारोबार में नया मुकाम

चार लाख रुपए की शुद्ध आय

बस्तर विकासखण्ड अंतर्गत छोटे से गांव भरनी के युवा सुजीत प्रजापति ने मछलीपालन का व्यवसाय कर लाखों की आमदनी की है। सेवानिवृत्त विद्युत लाईनमेन के 24 वर्षीय पुत्र सुजीत प्रजापति ने मैकेनिकल में पॉलिटेक्निक की पढ़ाई के बाद मछलीपालन में रुचि दिखाई, इस दौरान बीबीए की पढ़ाई भी जारी रखी। इस दौरान मछलीपालन की नई तकनीक बॉयोफ्लॉक को देखकर सुजीत को भी इस व्यवसाय ने आकर्षित किया और उन्होंने सात वर्ष पूर्व इस व्यवसाय से जुड़ने का निश्चय किया और तीन बॉयोफ्लॉक टैंक के साथ व्यवसाय की शुरुआत की। अत्यंत नई तकनीक तथा इस क्षेत्र में किसी मार्गदर्शक के नहीं होने के कारण पहले वर्ष उन्हें व्यवसाय में नुकसान भी हुआ, लेकिन उन्होंने व्यवसाय को निरंतर जारी रखने का निर्णय लिया। दूसरे वर्ष थोड़ा अनुभव बढ़ने का फायदा मिला और इस व्यवसाय में लाभ परिलक्षित हुआ।

सुजीत के मछलीपालन के प्रति रुचि को देखते हुए मत्स्यपालन विभाग ने भी सहयोग करने का निर्णय लिया। इसके बाद सुजीत ने सात बॉयोफ्लॉक टैंकों में मछलीपालन प्रारंभ किया। इसकी लागत लगभग साढ़े सात लाख रुपए आई। विभाग द्वारा 40 फीसदी अनुदान दिया गया, जिससे सुजीत को मात्र साढ़े चार लाख रुपए खर्च करना पड़ा। सुजीत बताते हैं कि गत वर्ष मात्र 40 हजार रुपए के मछली बीज से लगभग नौ लाख रुपए से अधिक के मछली तैयार किए और मछलीपालन के खर्च को जोड़ भी दिया जाए, तब भी लगभग चार लाख रुपए की शुद्ध आय प्राप्त हुई। अब सुजीत के अनुभवों का लाभ दूसरे किसान भी उठा रहे हैं और उनके मार्गदर्शन में मछलीपालन कर रहे हैं। सुजीत भी अब मछलीपालन के साथ ही मछली चारा उत्पादन का व्यवसाय भी कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र के मछलीपालक किसानों को मत्स्य आहार के लिए दूसरे क्षेत्रों पर निर्भर न रहना पड़े। सुजीत अपनी इस सफलता के लिए मछलीपालन विभाग के साथ ही अपने माता-पिता और भाई को भी श्रेय देते हैं। सुजीत ने कहा कि व्यवसाय की शुरुआती असफलता के बावजूद माता-पिता और भाई ने पूरा समर्थन दिया, जिससे वे इसे और अधिक परिश्रम व अनुभव से इस व्यापार में लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे तिलापिया और पंगेशियस मछली का पालन कर रहे हैं, जिसकी तेजी से वृद्धि होने के कारण यह अत्यंत लाभदायक व्यवसाय साबित हो रही है।

हसदेव क्रिएटर्स हब से युवाओं को मिलेगा ग्लोबल मंच

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, क्रिएटर्स व गायकों के सपनो को मिलेगी नई ऊचाईयां

नए साल में जांजगीर चांपा क्षेत्र के युवाओं को उनकी रचनात्मकता को निखारने के लिए ग्लोबल मंच मिल गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर में हसदेव क्रिएटर हब का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमार्ट परिसर में स्थापित इस अत्याधुनिक स्टूडियो से सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, क्रिएटर्स व गायकों को अपनी सृजनशीलता और रचनात्मकता को देश-दुनिया के सामने लाने और उसे निखारने का ग्लोबल मंच मिलेगा। इस मौके पर उन्होंने स्टूडियो में पॉडकास्ट के माध्यम से इंटरव्यू भी दिया।

आम आदमी पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि युवाओं के उमंग और उत्साह को देखकर मैं भी उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि पहले इस कार्य के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है और बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती थी। अब इस स्टूडियो के बन जाने से युवाओं को अपनी क्रिएटीविटी को सबके सामने लाने के लिए काफी सुविधा होगी। यहां रिकार्डिंग के लिए अत्याधुनिक उपकरण और साफ्टवेयर हैं। उल्लेखनीय है कि हसदेव क्रिएटर्स हब (हाईटेक स्टूडियो) क्रिएटर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, यूट्यूबर्स के लिए सभी आवश्यक उपकरण से लैस है। अत्याधुनिक कैमरे, ड्रोन कैमरे, हाई एंड कंप्यूटर जैसे उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। शूटिंग के साथ-साथ एडिटिंग के लिए भी सॉफ्टवेयर्स की व्यवस्था की गई है। स्टूडियो में ऑडियो लैब भी बनाया गया है, जहां ऑडियो मिक्सर सॉफ्टवेयर और उपकरणों से ऑडियो रिकॉर्डिंग और मिक्सिंग कर पाएंगे साथ ही पॉडकास्टिंग भी कर पाएंगे।

आईटी हब के रूप में उभर रहा नवा रायपुर

विकसित भारत की तर्ज पर विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सतत प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में नवा रायपुर अटल नगर में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय की पहल का नतीजा है कि छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर क्षेत्र में आईटी और आईटी- इनेबल्ड सर्विसेस का तेजी से विकास हो रहा है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। राज्य सरकार की योजनाओं और संस्थाओं की पहल से नवा रायपुर युवाओं के लिए रोजगार और विकास का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

मां को अपनी बेटी पर गर्व

वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने बताया कि नवा रायपुर में स्क्वायर बिजनेस सर्विसेज और टेली परफॉर्मेंस जैसी प्रमुख आईटी कंपनियों ने अपनी सेवाएं शुरू की हैं, जिससे अब तक 260 से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। रायपुर के एक साधारण मध्य वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली 24 वर्षीय सतरूपा का सपना था कि वह आत्मनिर्भर होकर परिवार का सहारा बने। खेती- किसानी और घरेलू काम काज करने वाली सतरूपा की मां को अपनी बेटी पर गर्व है, क्योंकि पढ़ाई पूरी करने के बाद सतरूपा आज न केवल आत्मनिर्भर है, बल्कि परिवार को भी आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। नवा रायपुर के स्क्वायर बिजनेस सर्विसेज में नौकरी कर रही सतरूपा ने मेहनत और लगन से तरक्की की राह पकड़ ली। पहले साल में ही उसे पदोन्नति मिली और उसका वेतन बढ़ा, जिससे उसने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती दी। नवा रायपुर में स्क्वायर बिजनेस सर्विसेज ने 180 और टेली परफॉर्मेंस ने 80 पदों पर भर्ती की है। इसके अलावा, टेली परफॉर्मेंस ने 100 और कर्मचारियों की भर्ती करने की योजना बनाई है और सीएसएम टेक्नोलॉजीज ने 200 प्रोफेशनल्स की भर्ती के लिए आवेदन मंगाए हैं। यह न केवल नवा रायपुर के लिए बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए सकारात्मक बदलाव के संकेत है।

मुफ्त बस सेवा

नवा रायपुर के आईटी हब बनने की प्रक्रिया में राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। रायपुर और नवा रायपुर के बीच आईटी पेशेवरों के लिए मुफ्त बस सेवा की तथा स्क्वायर बिजनेस सर्विसेज के कर्मचारियों के लिए आवासीय समाधान भी उपलब्ध कराने की योजना है। सीबीडी सेक्टर 21 में अत्याधुनिक कार्यालयों का निर्माण किया जा रहा है, जो कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करेंगे। नवा रायपुर में आईटी क्षेत्र के विकास के साथ ही आने वाले समय में 10,000 से अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।

एनआरडीए ने दी 142 एकड़ जमीन

नवा रायपुर में बनेगा छत्तीसगढ़ का पहला फार्मास्युटिकल पार्क

छत्तीसगढ़ में सेंट्रल इंडिया का नया फार्मास्युटिकल हब बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। फार्मास्युटिकल पार्क से नए अनुसंधान, विकास और अंतर्राष्ट्रीय निवेश में वृद्धि हेतु नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) द्वारा सेक्टर 22 ग्राम तूता में छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) को फार्मास्युटिकल पार्क की स्थापना के लिए 141.84 एकड़ भूमि आबंटित की गई है।

आम आदमी पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ ही फार्मास्युटिकल क्षेत्र को भी बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विश्व स्तरीय चिकित्सा सेवाएं आम लोगों को सहजता से सुलभ हो, इस सोच के साथ राज्य में चिकित्सा क्षेत्र में प्रभावी इको सिस्टम तैयार करने की लगातार पहल की जा रही है। छत्तीसगढ़ को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाना है तो स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ और जनोन्मुख बनाना जरूरी है। फार्मास्युटिकल पार्क की स्थापना इसी की एक कड़ी है। उन्होंने बताया कि नई औद्योगिक नीति में भी फार्मास्युटिकल क्षेत्र के उद्योगों को कई अनेक सुविधाएं और रियायतें दिए जाने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेश में वृद्धि होने के साथ ही फार्मास्युटिकल क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा एवं स्थानीय युवाओं को रोजगार प्राप्त होने के साथ ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। फार्मास्युटिकल पार्क की स्थापना से घरेलू एवं वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा उत्पादों की बढ़ती मांग को हम आसानी से पूराकर पाएँगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के माध्यम से राज्य के 77 लाख 20 हजार परिवारों को 5 लाख रूपए तक का नि:शुल्क इलाज मिल रहा है जिसे आने वाले समय में 10 लाख रूपए तक किए जाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत विशेष स्थितियों में इलाज के लिए 25 लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि फार्मास्युटिकल पार्क में आयुष उत्पादों में विशेषज्ञता वाली फार्मास्युटिकल इकाइयों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पार्क फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स और एक कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) सहित आधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस होगा। अनुसंधान और विकास केंद्र और परीक्षण प्रयोगशाला जैसी आवश्यक सेवाएं भी इसमें शामिल रहेंगी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में फार्मास्युटिकल सेक्टर में वृहद उद्यम हेतु परियोजना में स्थायी पूंजी निवेश की मदों पर निवेश होने वाली राशि के 100 प्रतिशत तक औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन प्रदान किए जाने का प्रावधान है। फार्मास्युटिकल इकाईयों को वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने के दिनांक से लेकर 12 वर्ष तक भुगतान किये गए नेट एसजीएसटी अधिकतम स्थायी पूंजी निवेश के 100 प्रतिशत तक की प्रतिपूर्ति किए जाने अथवा स्थायी पूंजी निवेश अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। 50 करोड़ से अधिक किन्तु 200 करोड़ रूपए से कम पूंजी निवेश पर अनुदान की अधिकतम राशि 60 करोड़ रूपए, 200 करोड़ से अधिक किन्तु 500 करोड़ रूपए से कम के पूंजी निवेश 150 करोड़ रूपए का अनुदार तथा 500 करोड़ रूपए से अधिक पूंजी निवेश अधिकतम 300 करोड़ रूपए का अनुदान दिए जाने का प्रावधान भी छत्तीसगढ़ सरकार ने किया है। फार्मास्युटिकल ईकाईयों को 12 वर्ष तक विद्युत शुल्क में छुट, स्टाम्प शुल्क से छुट, पंजीयन शुल्क एवं नवीन विद्युत कनेक्शन पर देय शुल्क में 50 प्रतिशत की प्रतिपूर्ति सहित अन्य कई रियायतें दिए जाने का प्रावधान छत्तीसगढ़ सरकार की नवीन औद्योगिक नीति में किया गया है।

सीएम ने निवेशकों को दिया न्योता...

मीट में छत्तीसगढ़ को 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के मिले निवेश प्रस्ताव

छत्तीसगढ़ निवेश के लिए असीम संभावनाओं वाला राज्य

राज्य की नई औद्योगिक नीति 2024- 30 की गिनाईं खूबियां

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट में देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने राज्य की नई औद्योगिक नीति 2024-30 की खूबियों को साझा करते हुए इसे निवेशकों के लिए बेहद अनुकूल बताया। कार्यक्रम में शामिल हुए प्रमुख उद्योगपतियों से छत्तीसगढ़ सरकार को 15184 करोड़ के निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निवेश के लिए असीम संभावनाओं वाला राज्य है। हमारी नई औद्योगिक नीति उद्योगों को कर, भूमि, और बिजली में छूट के साथ-साथ सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी सुविधाएं देती है। यह नीति न केवल उद्योगों की स्थापना, बल्कि रोजगार सृजन पर भी जोर देती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा, खनन, और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। नई औद्योगिक नीति में विशेष सब्सिडी और प्रोत्साहन पैकेज शामिल हैं। डिजिटल सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 से सभी स्वीकृतियां और लाइसेंस प्राप्त करना आसान हो गया है। उद्योग विभाग द्वारा सब्सिडी जारी करने के लिए अधिकतम 3 स्तर और अधिकतम 7 दिनों की समय सीमा सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग स्थापित करने हेतु भूमि उपलब्ध कराने के लिए, न्यूनतम सरकार की अवधारणा के तहत निजी औद्योगिक पार्क को 30 प्रतिशत सब्सिडी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ, उद्योगों के लिए रेडी और विकसित प्लॉट आवेदन के 60 दिनों के भीतर सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने बताया हम यह सुनिश्चित कर रहे कि उद्योग स्थापना एवं संचालन में सरकारी हस्तक्षेप न्यूनतम हो एवं यथासंभव सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा ऑनलाइन माध्यम से हो ताकि उद्योग हेतु आपको सरकार के पास आने की आवश्यकता ना हो। मुख्यमंत्री ने निवेशकों के सवालों का जवाब देते हुए भरोसा दिलाया कि छत्तीसगढ़ सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने राज्य में उपलब्ध बेहतर बुनियादी ढांचे, कुशल मानव संसाधन और शांतिपूर्ण माहौल के बारे में विस्तार से बताया। उद्योगपतियों द्वारा छत्तीसगढ़ की पहल की सराहना करते हुए निवेश की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि यह इन्वेस्टर मीट छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

बस्तर क्षेत्र में निवेश पर विशेष प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि बस्तर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कोर सेक्टर की स्टील इकाइयों और अन्य उद्योगों को बड़ी राहत दी गई है। आयरन ओर पर 50% और कोयले पर 100% रॉयल्टी की छूट का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही, उद्योगों द्वारा चुकाए गए रॉयल्टी और राज्य को मिलने वाले सेस की प्रतिपूर्ति 15 वर्षों तक की जाएगी। इसके अलावा, ग्राम नियानार में 118 एकड़ भूमि पर एक नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है।

आधुनिक तकनीकों में निवेश को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में कई नए और आधुनिक तकनीकों का ध्यान रखा गया है जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रोबोटिक्स, ग्रीन हाईड्रोजन और डेटा सेंटर। इसके अलावा, आईटी, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्र भी खास होंगे। इन क्षेत्रों में उद्योगों को 30 से 50 प्रतिशत तक सहायता मिलेगी। इसके अलावा कंपनियों को अपना काम शुरू करने के लिए 5 से 12 साल तक करों में छूट दी जाएगी, जिससे वे आसानी से अपना काम शुरू कर सकें।

देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की जताई इच्छा

पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के एमडी ईश्वर नंदन ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 1134 करोड़ निवेश का प्रस्ताव रखा जिससे 100 से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

नक्सलगढ़ के स्वास्थ्य केंद्र ने राष्ट्रीय स्तर पर रचा इतिहास

भारत सरकार से मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र सम्मान

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र स्वास्थ्य केन्द्र चिंतागुफा ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में वह कर दिखाया है, जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी। वर्षों तक दहशत और चुनौतियों का पर्याय रहे, इस क्षेत्र ने अब अपनी सेवा भावना, मेहनत और प्रतिबद्धता से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र को 28 नवंबर 2024 को भारत सरकार के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया, जिसमें इसे 89.69 प्रतिशत का उत्कृष्ट स्कोर प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि सुकमा जिले में प्रथम स्थान पर आने के साथ ही पूरे राज्य में चर्चा का विषय बन गई है। गौरतलब है कि चिंतागुफा स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत पांच उप-स्वास्थ्य केन्द्र हैं, जिसमें 45 घोर नक्सल प्रभावित गांव आते हैं। भारत के सबसे बड़ी नक्सल घटना, जहां 76 जवान शहीद हुए थे, वह ताड़मेटला गांव भी इसी सेक्टर में आता है। सुकमा कलेक्टर के अपहरण के बाद रिहाई का क्षेत्र हो या बुरकापाल में शहीदों की याद, सब इसी इलाके की घटना है। कोंटा विकासखण्ड अंतर्गत स्थित यह क्षेत्र घोर नक्सल प्रभावित है, जिसके अंदरूनी गांवों में आज भी माओवादियों की दहशत है।

चिंतागुफा का सफर: संघर्ष से सफलता तक

चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र, वर्ष 2009 में आरएमए मुकेश बख्शी की पदस्थापना से अस्तित्व में आया। उस समय यह क्षेत्र भवन विहीन, नेटवर्क विहीन, रोड विहीन था। स्टॉफ में सिर्फ एक आरएमए और एक वार्ड व्वाय के साथ स्कूल के एक कमरे में इसका संचालन होता था। जिसक कमरे में इलाज होता था, उसी कमरे ही प्रभारी सोते थे। नक्सलियों के खौफ और बुनियादी सुविधाओं की कमी ने हर कदम पर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चुनौती थी। वर्ष 2011 में 11 अप्रैल को एक घटना के दौरान नक्सलियों ने एंबुलेंस पर हमला किया, जिसमें आरएमए मुकेश बख्शी और कई बच्चे मौजूद थे। श्री बख्शी बच्चों को बेहतर इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र दोरनापाल एम्बुलेंस में ले जा रहे थे, तभी नक्सलियों ने एम्बुस लगाकर गोलीबारी की। एम्बुलेंस में 8 गोलियां लगी। किस्मत से किसी को गोली नहीं लगी। नक्सलियों ने सबको नीचे उतार कर जमीन में पेट के बल लेटाकर हाथ पीछे कर बंदूक टिका दिया था। आरएमए मुकेश बख्शी के बार-बार निवेदन और सेवाभाव को देखकर नक्सलियों ने सभी को छोड़ दिया। इसके बावजूद, बख्शी ने अपनी सेवा भावना से लोगों का दिल जीतकर इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की नींव मजबूत की। वर्ष 2017 में स्वास्थ्य केन्द्र चिंतागुफा के प्रभारी आरएमए मुकेश बख्शी को चिकित्सा सेवाभाव के लिए स्वास्थ्य मंत्री द्वारा धन्वंतरी सम्मान दिया गया। वर्ष 2017 में ही राज्य टीम के साथ मलेरिया अनुसंधान हेतु श्री बख्शी, श्रीलंका जाने हेतु चयनित हुए। वर्ष 2019 में मुख्यमंत्री द्वारा हेल्थ आइकॉन सम्मान से नवाजा गया।

यह क्षेत्र आज भी बुनियादी संसाधनों से दूर है। सड़कें, नेटवर्क और बाजार जैसी सुविधाएं सीमित हैं। लंबे समय तक नक्सल प्रभाव ने विकास कार्यों और भवन निर्माण को रोके रखा था। बारिश के मौसम में क्षेत्र टापू में बदल जाता है, जिससे पहुंचना कठिन हो जाता है। वर्ष 2020 में स्वास्थ्य भवन और आवासीय सुविधाओं का निर्माण हुआ, जिससे सेवाओं का विस्तार हुआ। राज्य और जिला अधिकारियों, डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट्स, और स्थानीय लोगों के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के मानकों को पूरा करने की तैयारी हुई। 15-16 नवंबर 2024 को भारत सरकार की एनक्वॉस टीम ने चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र का मूल्यांकन किया। ओपीडी,आईपीडी लैब, लेबर रूम और प्रशासनिक कार्य जैसे सभी विभागों की समीक्षा में उच्च रैंक हासिल किया। आज चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र प्रतिमाह औसतन 20 संस्थागत प्रसव, 1000 से अधिक ओपीडी, और 100 से अधिक भर्ती मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही है। यह उपलब्धि केवल एक स्वास्थ्य केंद्र की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की दृढ़ता, संघर्ष और सेवा भावना की कहानी है। डॉ. अनिल पटेल, महेंद्र काको, सीमा किसपोट्टा, रीना कुमारी, पार्वती कुहरम, अनिता सोढ़ी सहित पूरी टीम ने एकजुट होकर इस सफलता को संभव बनाया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर चिंतागुफा अब इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रतीक बन चुका है, और अपने स्वास्थ्य मानकों और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रहा है। यह सफलता अन्य घोर प्रभावित क्षेत्रों के लिए एक उदाहरण है कि कैसे समर्पण और टीम वर्क से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है।

NQAS

मोर आवास मोर अधिकार

छत्तीसगढ़ में 3 लाख से अधिक आवासों की घोषणा

डबल इंजन की सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदलने के लिए कर रही है काम : शिवराज सिंह

केन्द्रीय कृषि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य में विष्णु देव साय की डबल इंजन सरकार प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदलने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रही है। वे दुर्ग जिले के नगपुरा में आयोजित मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के पैर पखार कर उनका अभिनंदन किया। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 लाख 3 हजार 384 नए आवासों की घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों को आवास का वादा किया था, जो आज साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि देशभर में गरीबों को पक्के घर देने के इस ऐतिहासिक प्रयास के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में अब तक 8 लाख 47 हजार मकान पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इस योजना को और अधिक समावेशी बनाने के लिए नई पात्रता मानदंड निर्धारित किया गया है, जिनमें अब अधिकतम आय सीमा बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा जिनके पास ढाई एकड़ सिंचित भूमि या पांच एकड़ असिंचित भूमि है, वे भी अब इस योजना के तहत पात्र होंगे। हितग्राही अब स्वयं भी अपने आवास हेतु आवेदन और सर्वेक्षण कर सकते हैं। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेती-किसानी को बढ़ावा देने की दिशा में अद्भुत काम हो रहे हैं। फसलों का उत्पादन बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और फसल विविधिकरण पर जोर दिया जा रहा है। धान की नई-नई किस्में भी जारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान आ रही है।

लाखों हितग्राहियों के चेहरे में संतोष

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करोड़ों आवासहीन परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना आरंभ की थी। छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार आई। डबल इंजन की सरकार बनी। हमने शपथ लेने के अगले ही दिन कैबिनेट की बैठक की और 18 लाख आवास स्वीकृत कर दिये। आज इस निर्णय से छत्तीसगढ़ के लाखों हितग्राहियों के चेहरे में संतोष नजर आता है। उन्होंने जो मकान का सपना देखा था, वो अब पूरा हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने अपनी सरकार का एक साल पूरा कर लिया है और जनता के समक्ष एक साल का रिपोर्ट कार्ड भी प्रस्तुत किया है। हमारी परीक्षा की घड़ी शपथ ग्रहण के बाद ही शुरू हुई थी और सबसे पहला वायदा कैबिनेट की बैठक में हमने पूरा कर दिया। इससे हम लोग आश्वस्त हो गये और एक साल के भीतर ही मोदी जी की गारंटी के सभी प्रमुख वायदे हमने पूरे कर दिये हैं। शपथ के दो सप्ताह के भीतर हमने श्रद्धेय अटल जी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर 13 लाख किसान भाइयों को 2 साल के बकाया धान की बोनस राशि अंतरित की। हमने वायदे के अनुरूप 3100 रुपए प्रति क्विंटल और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान भी खरीदा। हमने पिछली बार 145 लाख मीट्रिक टन रिकार्ड धान की खरीदी की। पिछली बार किसानों के खाते में हमने कुल 49 हजार करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। यह छत्तीसगढ़ के कृषि इतिहास में एक रिकार्ड की तरह दर्ज हो गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लगातार इस बात की मानिटरिंग कर रहे हैं कि तेजी से पीएम आवासों पर काम हो सके। गृह पोर्टल के माध्यम से जीआईएस मैपिंग और सटीक योजना तैयार की जा रही है। हमने पीएम आवास के लिए निर्माण सामग्री की आपूर्ति का जिम्मा लखपति दीदी कार्यक्रम के अंतर्गत स्वसहायता समूहों को सौंपा है। इससे महिला सशक्तिकरण में भी बड़ी मदद मिल रही है, इस काम में आवास मित्र प्रभावी रूप से हितग्राहियों की मदद कर रहे हैं जिसके चलते आवास निर्माण समय पर पूरा हो रहा है। हितग्राहियों को कम लागत पर निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने हमने छूट कूपन की व्यवस्था की है। शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए टोलफ्री नंबर की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पित माओवादियों तथा नक्सल प्रभावित परिवारों के लिए 15 हजार आवास बनाने का निर्णय लिया गया है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए लाई गई पीएम जनमन योजना का क्रियान्वयन भी प्रदेश में तेजी से हो रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया, जिन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए 8 लाख 47 हजार नए मकानों की मंजूरी देकर प्रदेश के आवासहीन लोगों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए छत्तीसगढ़ में 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के सामंजस्य से प्रदेश में आवास और सड़क निर्माण में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। पीएम जनमन योजना के तहत 32 हजार आवासों की स्वीकृति दी गई है और राज्य के हर गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2449 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजनाओं के तहत छत्तीसगढ़ में ग्रामीण संपर्क को मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम में रूरल मेसन प्रशिक्षणार्थियों को सामग्री का वितरण किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायतों और स्वयंसेवी संस्थाओं को सम्मानित किया गया। व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि और स्वच्छता किट वितरित की गई। ड्रोन दीदियों और लखपति दीदियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की गई। स्वामित्व योजना के तहत हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किए गए।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से घर-घर पहुंचा एलपीजी गैस कनेक्शन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से गांव-गांव में घर-घर तक एलपीजी गैस कनेक्शन पहुंचा है, जिससे हमारे पेड़ भी सुरक्षित हैं, हमारे वन भी सुरक्षित हैं और हमारा पर्यावरण भी सुरक्षित है। इससे हमारी माता - बहनें भी धुंए से होने वाली परेशानियों से सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में छत्तीसगढ़ इंडेन एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन एवं एलपीजी वितरकों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आप लोगों ने शुरआती चुनौती भरे दौर में लोगों को गैस कनेक्शन देने का जो कार्य किया, उसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। आज घरेलू गैस की सुविधा जिस तरह से आसान हुई है, उसके पीछे भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ ही इस कार्य से जुड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स की भी अहम भूमिका है। हाल के वर्षों में घरेलू गैस उपभोक्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्ज्वला योजना के चलते बड़ी संख्या में उपभोक्ता जुड़े। वर्तमान में इस योजना के 12 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे इंडेन के डीलर शहरी क्षेत्रों में तो हैं ही, वे आदिवासी क्षेत्रों में भी पूरे लगन से अपनी सेवा दे रहे हैं। उज्ज्वला योजना आज सबसे सफल योजना इसलिए बन पाई क्योंकि इंडेन जैसी एजेंसी के डीलर्स का नेटवर्क सबसे अंदरूनी क्षेत्रों तक फैला है। आज जिन डीलर्स का सम्मान हुआ है, उन्होंने उपभोक्ता सेवा के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धुँए से मुक्ति दिलाई है। इसका श्रेय हमारे प्रधानमंत्री जी को है ही, आपको भी है जिन्होंने हर घर में समय पर इसकी डिलीवरी कराई।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि उन दिनों वे स्वयं लकड़ी जला कर खाना बनाते थे। बरसात के दिनों में लकड़ी गीली रहती थी, तब मिट्टी तेल डाल कर लकड़ी जलाना पड़ता था, लकड़ी जलने के समय आंखे लाल हो जाती थी। हम लोगों को रिफिलिंग करने 150 किलोमीटर दूर रायगढ़ आना पड़ता था। गैस कनेक्शन के लिए डेढ़ से दो वर्ष इंतजार करना पड़ता था। सांसदों को गैस कनेक्शन दिलाने के लिए साल में 100 कूपन मिलते थे। लोगों में इसके लिए होड़ लगी रहती थी। अटल जी के शासन काल और बाद के समय में इसमें आसानी होती गई, जनता के लिए गैस कनेक्शन लेना आसान हो गया। उन्होंने आदिवासी अंचलों और ग्रामीण क्षेत्रों में रिफिलिंग का परसेंटेज बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने सम्मानित होने वाले सभी वितरकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में एक वर्ष में शासन - प्रशासन के कार्यों में शुचिता लाने और प्रक्रियागत परिवर्तन लाने का काम बड़े पैमाने पर हुआ है। इससे लोगों को बड़ी आसानी हुई है। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आप लोगों की सक्रियता से घर - घर में एलपीजी गैस कनेक्शन पहुंचा, जिससे जंगलों का संरक्षण हुआ। उन्होंने कहा कि आज देश में 35 करोड़ से ज्यादा गैस कनेक्शन हैं।

पूवर्ती में अब गोलियों की गूंज नहीं, बज रही शहनाई

पूवर्ती में तैनात जवान ने नक्सल पीड़िता से रचाई शादी

घोर नक्सल इलाकों में कन्या विवाह योजना से नई जिंदगियों की शुरुआत

छत्तीसगढ़ के घोर नक्सल इलाकों से अब सुखद तस्वीरें निकलना शुरु हो गई हैं। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन के एक साल में नक्सल उग्रवाद के कदम पीछे हट रहे हैं, साथ ही नक्सल पीड़ित जिंदगी की नई शुरुआत करने की तरफ अपना पहला कदम बढ़ा चुकें हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सरकार के कार्यकाल में नक्सल प्रभावित गांव अब खुशहाल हो रहे हैं।

आम आदमी पत्रिका

दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय के मेंढका डोबरा मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनान्तर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जिलेभर के 220 वर वधु परिणय सूत्र में बंधे। इन्हीं में एक जोड़ा पूवर्ती गांव का है। पूवर्ती नक्सली हिड़मा और देवा का गांव है, सरकार बदलने के बाद अब पूवर्ती की तस्वीर बदल रही है। कैम्प खुलने के बाद पूवर्ती के लोग भयमुक्त जी रहे हैं और सरकार की योजनाएं उनका जीवन बदल रही है, जिसके कारण अब पूवर्ती में तैनात जवान ने एक नक्सल पीड़िता के साथ शादी रचाकर नई जीवन की शुरुआत की है। इन 220 जोड़ों में नियद नेल्ला नार गांव के दो जोड़ों ने भी सात जन्मों तक साथ रहने की कसम खाई है। छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय सरकार आने बाद नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई से ग्रामीणों का हौसला लगातार बढ़ रहा है।

सरकार गरीब परिवारों की सेवा करने की कटिबद्धता

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब और किसानों के हित में अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर निर्धन परिवारों को विकास की ओर अग्रसर होने का अवसर मिल रहा है। दंतेवाड़ा जिले के दूरस्थ क्षेत्र में यह सामूहिक कन्या विवाह में आज 220 जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधकर गृहस्थ जीवन में कदम रख रहे हैं। यह सब राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से फलीभूत हुआ है, जो सरकार की गरीब परिवारों की सेवा करने की कटिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा महिला बाल विकास विभाग के मैदानी कर्मचारी भी बधाई के पात्र है जिन्होंने विभिन्न ग्रामों पारा, टोले, मोहल्लों से विवाह योग्य युवक-युवतियों का पंजीयन कर सामूहिक विवाह से लाभान्वित किया।

सामूहिक विवाह से लाभान्वित

कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार एवं सप्तपदी के पावन वचनों को अंगीकार करने वाले जोड़ों में से दो जोड़े नियद नेल्ला नार ग्राम धुरली के निवासी थे। इनमें सीमा भास्कर एवं सुदरी तेलाम भी शामिल थी। सीमा 10वीं पास है और नगर पालिका परिषद बड़े बचेली में कार्यरत है। सीमा का विवाह रेमष भास्कर के साथ हुआ जो कृषक है। इसी प्रकार सुंदरी तेलाम कामगार श्रमिक है, धन्नु कुंजाम भी कामगार श्रमिक है। दोनों नव विवाहितों ने शासन की इस योजना की तारीफ करते हुए इसे गरीब और जरूरतमंद के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इस योजना से न केवल हमें शादी के भारीभरकम खर्च से मुक्ति मिली है, बल्कि शादी के उपरांत कन्या के खाते में 35 हजार रूपये की राशि आने से शादी के बाद के खर्चों के लिए संबल भी मिलता है।

जानें क्या है योजना

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना दहेज प्रथा और महंगे विवाह आयोजन के बोझ से माता-पिता को राहत दिलाने का माध्यम बन रही है। योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 50,000 का अनुदान प्रदान किया जाता है, जिसमें से: 35,000 सीधे लाभार्थी के खाते में अंतरित किए जाते हैं। शेष 15,000 में से 7,000 कपड़े और श्रृंगार सामग्री पर खर्च किए जाते हैं। शेष 8,000 विवाह आयोजन के लिए आवंटित किए जाते हैं।

...और चेहरे पर लौट आई मुस्कान

रामकृष्ण साहू एक साधारण मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जो एक निजी कंपनी में अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत हैं और उनकी पत्नी जांत्री साहू घर पर ही छोटे बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती है। उनकी 8 वर्षीय बेटी नित्या की हंसी-खुशी भरी जिंदगी उस दिन अचानक बदल गई, जब खेलते समय वह गिर गई। परिवार ने तुरंत डॉक्टर से संपर्क किया। जांच में खुलासा हुआ कि नित्या दुर्लभ और गंभीर न्यूरोलॉजिकल विकार गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) से पीड़ित है। यह बीमारी शरीर की तंत्रिका तंत्र और मांसपेशियों को कमजोर कर देती है। नित्या की बीमारी ने पूरे परिवार को गहरे चिंता में डाल दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य में नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना भी संचालित की जा रही है, जिससे दुर्ग जिले के ग्राम बोरई की निवासी रामकृष्ण साहू के बिटिया को नया जीवन मिला है।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना बनी जीवनदायिनी

आर्थिक चुनौतियों के बीच उपचार की शुरुआत करते हुए रामकृष्ण और जांत्री ने अपनी बेटी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए। चार महीने तक अस्पताल में नित्या का इलाज चला। इलाज के दौरान उनकी आर्थिक स्थिति निरंतर कमजोर होता गया। इलाज का खर्च मध्यम वर्गीय परिवार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया। इस कठिन समय में रामकृष्ण ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत आवेदन किया। संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उनकी अपील पर त्वरित कार्रवाई की। आवेदन करने के कुछ ही दिनों के भीतर उन्हें 1 लाख 75 हजार रूपए की सहायता राशि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से प्रदान की गई। यह सहायता राशि उनके जीवन में उम्मीद की एक नई किरण बनकर आई। रामकृष्ण ने बताया कि "सरकार की इस मदद ने हमारी बेटी को एक नया जीवन दिया। आज नित्या पूरी तरह स्वस्थ है और फिर से अपनी सामान्य जिंदगी जी रही है। रामकृष्ण ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना ने हमारे जीवन को एक नई रोशनी दी, जिससे मेरी बेटी को नवजीवन मिला। रामकृष्ण साहू ने कहा कि हमारा परिवार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस संवेदनशील सहायता के प्रति आजीवन आभारी रहेगा।

पहले नदी से लाती थीं पानी, अब सोलर पंप ने बदल दी जिंदगी

कुछ समय पहले तक कोरबा जिले के बगदरीडांड गांव की बसंती मिंज के लिए घर के उपयोग के लिए पानी का प्रबंधन एक कठिन और जोखिम भरा काम था। उन्हें रोजाना पानी के लिए सिर पर बर्तन उठाकर जंगल की पगडंडियों से होते हुए नदी तक का सफर तय करना पड़ता था। बारिश के दिनों में कीचड़ और फिसलन के बीच उफनती नदी से पानी भरना उनके जीवन का सबसे बड़ा संघर्ष था। लेकिन अब यह संघर्ष बीते दिनों की बात हो गई है। गांव में सोलर ड्यूल पंप की स्थापना और उनके घर तक नल जल कनेक्शन लगने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है।

आम आदमी पत्रिका

बसंती बताती हैं, पहले पानी के लिए नदी जाना पड़ता था। रास्ता लंबा और खतरनाक था, खासकर बरसात के दिनों में। सिर पर भरे हुए पानी के बर्तन उठाकर घर तक लाना बहुत मुश्किल होता था। लेकिन अब सोलर ड्यूल पंप के जरिए उनके घर तक पानी पहुंचता है। नल से निरंतर पानी मिलने से न केवल उनका जीवन सरल हुआ है, बल्कि उन्हें घर के अन्य कामों के लिए भी पर्याप्त समय मिल रहा है। सोलर ड्यूल पंप की स्थापना से न केवल बसंती, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है। अब उन्हें पानी के लिए घर से बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। पानी की उपलब्धता ने उनके जीवन को सुविधाजनक और सुरक्षित बना दिया है। बसंती कहती हैं, अब चाहे गर्मी हो या बारिश, पानी की चिंता खत्म हो गई है। नल से जितना पानी चाहिए, उतना आसानी से मिल जाता है। यह सुविधा हमारे लिए वरदान की तरह है। सोलर ड्यूल पंप परियोजना का उद्देश्य जल संकट से जूझ रहे ग्रामीण क्षेत्रों को पानी की सुविधा प्रदान करना और महिलाओं की दैनिक जीवन की कठिनाइयों को दूर करना है।

नल से पहुंच रहा है शुद्ध पेयजल

जल जीवन मिशन के तहत आकांक्षी ब्लॉक गौरेला के डांडजमड़ी पंचायत के सभी 90 घरों में नल से शुद्ध पेयजल पहुंचना प्रारंभ हो गया है। इस उपलब्धि पर ग्रामवासी ललिता वाकरे ने बताया कि उन्हें नल से घर में जल मिलने से बहुत खुशी हो रही है। अब उन्हें पानी लेने के लिए दूर स्थित कुएं तक नहीं जाना पड़ता। योजना के संचालन एवं संधारण के लिए ग्राम पंचायत को हस्तातंरण कर दिया गया है। साथ ही ग्राम के सरपंच इंजोरसिंह धुर्वे, पंचायत सचिव रतन सिंह और ग्राम जल स्वच्छता समिति के सदस्यों तथा ग्रामवासियों को जल की उपयोगिता, जल प्रबंधन, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन के बारे में बताया गया है। जल जीवन मिशन भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को शुरू किया गया है।

शैलचित्रों की दुर्लभ श्रृंखला का गढ़

शैल चित्रों के रूप में हजारों सालों में मानव सभ्यता के विकास की अमिट छाप है दर्ज

हर सभ्यता वक्त की रेत पर अपने निशान छोड़ जाती है, ऐसे ही शैलचित्रों की अनोखी दुर्लभ श्रृंखला रायगढ़ की पहाड़ियों में बिखरी हुई है, जो सदियां बीतने पर भी धूमिल नहीं हुई है और प्रागैतिहासिक काल से मानव विकास क्रम की कहानियां कह रही हैं। रायगढ़ जिले में हजारों वर्ष पुराने पाषाणकालीन समृद्ध शैलचित्रों का खजाना है, जो न केवल देश एवं प्रदेश में बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। ऐसी दुर्लभ पुरासंपदा हमारी प्राचीन सभ्यता के जीवंत अमूल्य अवशेष है।

आम आदमी पत्रिका

जिले में आदिम मानवों द्वारा सिंघनपुर, करमागढ़, कबरापहाड़, ओंगना, नवागढ़ पहाड़ी, बसनाझर, भैंसगढ़ी, खैरपुर, बेनिपाट, पंचभैया पहाड़, राबकोब गुफा, सारंगढ़ के सिरौलीडोंगरी जैसे अनेक स्थानों में शैलाश्रय में शैलचित्र उकेरे गए है, जिनमें पशु-पक्षी, आखेट के दृश्य, परम्परा, जीवनशैली, पर्व एवं त्यौहार का चित्रांकन दीवारों पर किया गया है। ऐसे रॉक पेंटिंग विश्व के अन्य देशों फ्रांस, स्पेन, आस्ट्रेलिया एवं मेक्सिको में भी पाये गए हैं। प्रागैतिहासिक काल में आदिम मानव इन सघन एवं दुर्गम पहाड़ियों में गुफाओं एवं कंदराओं में निवास करते थे और यहां सभ्यता का विकास होता गया। आदिम कुशल चित्रकारों द्वारा बनाये इन शैलचित्रों में उनकी जीवनशैली एवं परिवेश की अनुगूंज सुनाई देती है, जिसकी भावनात्मक अभिव्यक्ति इन रेखाचित्रों के रूप में उभरकर सामने आती है। आदिमानव रंगों के प्रयोग से अनभिज्ञ नहीं थे। यह शैलचित्र हमारे पुरखों द्वारा दिया गया बहुमूल्य उपहार है। हमीरपुर रोड से कुछ दूरी पर सघन वनों के बीच प्राकृतिक छटा से घिरी रमणीय करमागढ़ की पहाड़ियों के बीच 'उषा कोटि' शैलाश्रय में पाषाणकालीन आदिम मानवों ने गहरे गैरिक रंग से ग्रामीण जन-जीवन को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न पशुओं एवं सुंदर श्रृंखलाओं में ज्यामितीय आकृतियां चट्टानों में अंकित किए हैं। उषा कोटि में धान की बालियां, चांद, ढेकी, हिरन, खरगोश, बारहसिंघा, कछुआ, हाथी, छिपकली, मेंढक, बैल, पेड़-पौधे, मोती की सुंदर लड़ियों जैसी आकृतियां स्पष्ट नजर आती है। विख्यात पुरातत्वविद स्व.पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय ने इसकी तुलना अमेरिका के गुफा चित्रों से की थी। उड़िया संस्कृति से प्रभावित इन शैलचित्रों में घर, आंगन एवं दीवारों में पर्व के अवसर पर सजाने के लिए अल्पना सदृश्य खूबसूरत चित्र बनाये गये है। वैसे ही कमल के फूल, गेहू एवं धान की बालियां एवं तरह-तरह के अनोखी कलात्मक आकृतियां बनी हुई है। शासन के पुरातत्व विभाग द्वारा इन शैलचित्रों को संरक्षित किया जा रहा है। ग्रामीण यहां त्यौहार के अवसर पर ग्राम देवता के रूप में पूर्वजों की पूजा करने आते है।

रायगढ़ जिला मुख्यालय से 20 किलो मीटर दूर भूपदेवपुर के समीप ग्राम सिंघनपुर के समीप मैकल पर्वत श्रेणी में लगभग 2 हजार फीट की ऊंचाई पर मनोरम पहाड़ियों के बीच जैव विविधता से परिपूर्ण सिंघनपुर की अद्वितीय गुफा है, जहां गैरिक रंग में मानव शरीर का आकार सीढ़ीनुमा सदृश, मानव आकृतियां एवं पशु-पक्षी की आकृतियां बनी हुई है। सिंघनपुर की पहाड़ियों में तीन गुफाएं हैं, जिनमें से दो दक्षिणमुखी है एवं तीसरा पूर्वमुखी है। पूर्वमुखी गुफा जिसके बाह्य भाग में शैल चित्र है, जहां जाना भी कठिन ही है।

प्रागैतिहासिक शैलाश्रय की पुष्टि 19 वीं शताब्दी के मध्य पुरातत्व अधिकारी ए.सी.करलेले ने की थी। आदिम युगीन के इन शैलचित्रों को स्व.एंडरसन ने 1912 ईसवीं में पहली बार देखा था। उन्होंने 1918 में इंडियन म्यूजियम ऑफ कलकत्ता के निदेशक श्री पर्सी ब्राउन को इसकी जानकारी दी थी, जिन्होंने अपनी पुस्तक इंडियन पेंटिंग में शैलचित्रों का जिक्र किया था। स्व.श्री एंडरसन अपने साथी राबर्टसन के साथ सिंघनपुर की गुफा गए थे और यहां का अन्वेषण किया। इसी दौरान गुफा में मधुमक्खियों के काटने से राबर्टसन की मृत्यु हो गयी। उनकी स्मृति में रेलवे स्टेशन का नाम रॉबर्टसन रखा गया है। पर्सी ब्राउन के बाद कई पुरातत्वविद सर हेनरी हडवे, श्री व्ही स्मिथ, अमरनाथ दत्ता और पंडित लोचन प्रसाद पांडेय ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। सिंघनपुर की गुफा, पुरातत्वविदों के लिए जिज्ञासा एवं कौतुहल से भरी हुई है।

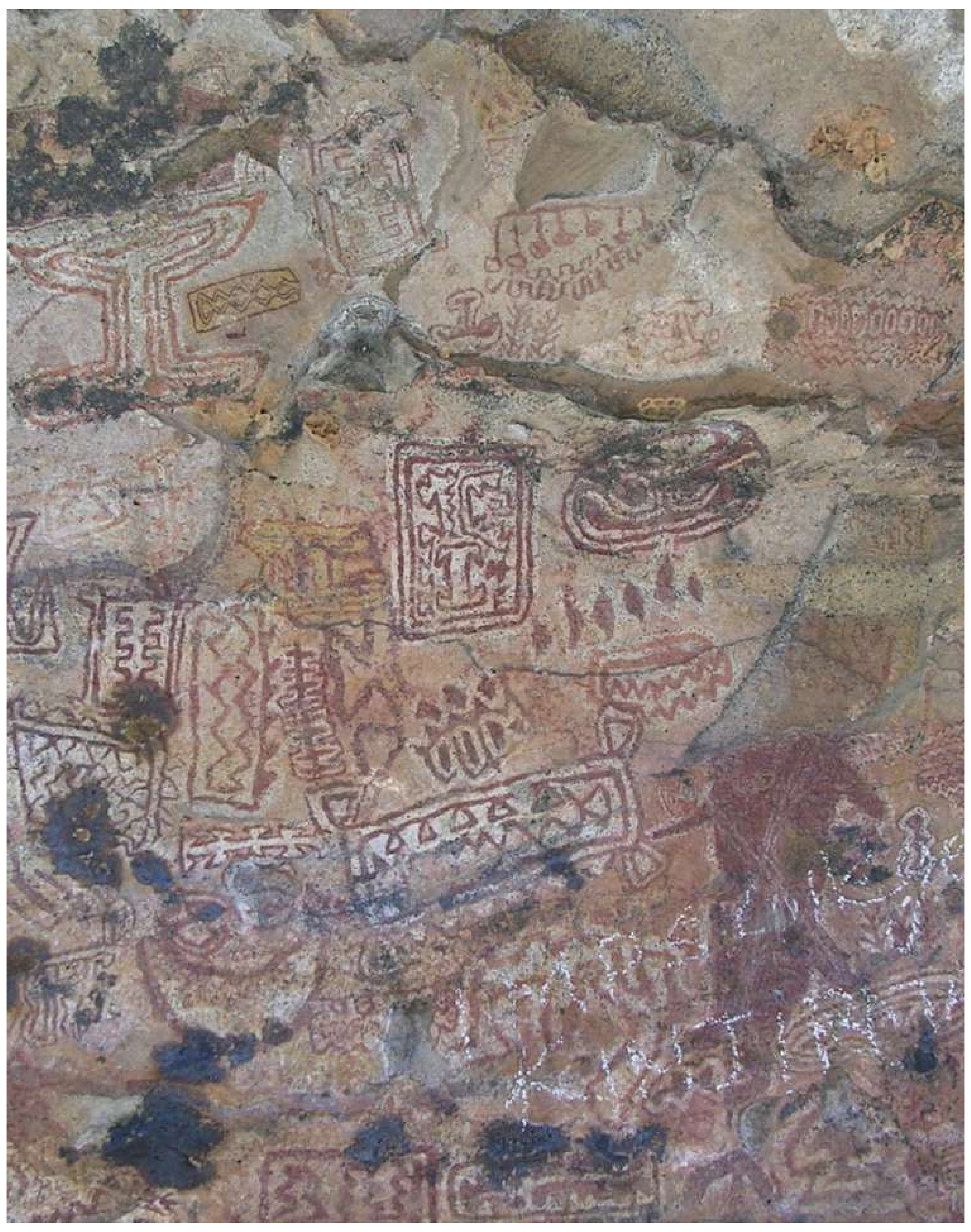

रायगढ़ से 15 किलो मीटर दूर लोईंग से कुछ दूर पर कबरापहाड़ में पाषाण युग के विशिष्ट शैलचित्र है। जहां गैरिक रंग में छिपकली, हिरण, जंगली भैसा, बारहसिंघा, मेंढक, कछुआ, चक्र, जंगली भैसा मानव आकृतियां एवं विभिन्न प्रकार की ज्यामितियां आकृतियां है। यहां बने चक्र की खासियत यह है कि इसमें 36 लकीर बनी हुई है। पुरातत्वविदों के अनुसार कबरा पहाड़ियों के शैलचित्र लगभग 5000 वर्ष पुराने हैं। ग्रामवासी इन शैलचित्रों की पूजा करते है। रायगढ़ से लगभग 70 किलोमीटर दूर धरमजयगढ़ विकासखण्ड मुख्यालय से ग्राम ओंगना 4 किलोमीटर दूर है। वहां समीप के पहाड़ियों में शैलाश्रय में मोहक शैलचित्र बने हुए है। ओंगना के शैलचित्र मानवीय सभ्यता के क्रम को प्रगट करते है। यहां तीन मानव की आकृतियां है। सामूहिक नृत्य का चित्रांकन, बैल की आकृति, साज-सज्जा वाली मानव आकृतियां है। ग्रामीण इसे देव स्थान के रूप में मानते है। धरमजयगढ़ से 17 किलोमीटर दूर पंचभैया पहाड़ी पर प्राचीन महत्व के शैलचित्र हैं। ऐसी किवदंति है कि प्राचीन काल में पांचों पांडवों ने यहां रूककर विश्राम किया था। पहाड़ी के कटाव पर शैलचित्र हैं, जो गेरूए रंग से बने हुए हैं। इस पहाड़ पर हाथा नामक स्थान है, जहाँ चट्टानों पर 34 पंजों के निशान मिले हैं। वन्दनखोह गुफा के शैलचित्र, घोड़ी डोंगरी पहाड़ी के शैलचित्र, सिसरिंगा के चिनिडंड पहाड़ी के शैलचित्र एवं वोडरा कछार पहाड़ी के शैलचित्र अनूठे हैं। धरमजयगढ़ की राबकोब गुफा के शैलचित्र विशेष हैं। यह स्थल धरमजयगढ़ के ग्राम पोटिया के समीप पहाड़ी की तलहटी में अवस्थित है। कार्बन डेटिंग से गुफा में निर्मित शैलचित्र 20 से 30 हजार वर्ष पुराना निर्धारित किया गया है। रायगढ़ से दक्षिण दिशा में 8 किलोमीटर दूर ब्रम्हनीन पहाड़ी पर बसनाझर पहाड़ी के गुफाओं एवं कंदराओं में अनगिनत शैलचित्र बिखरे हुए है। स्व.श्री एंडरसन द्वारा सिंघनपुर के शैलचित्रों के खोज के बाद बसनाझर के शैलचित्र पर भी अनुसंधान किया गया। पुरातत्वविदों के अनुसार ये शैलचित्रों 10 हजार ईसा पूर्व के है। ये शैलचित्र प्रस्तर युग तथा नवीन प्रस्तर युग के है। जिनमें आखेट युग को भी दर्शित किया गया है। आदिम शैलचित्रकारों ने आखेट दृश्य को प्रस्तुत किया है। यहां हिरण मानव आकृतियां एवं खेती तथा पशुपालन, सूर्यचक्र, देव आकृति प्रदर्शित किए गए है।

ग्रीन जीडीपी में देश का पहला राज्य बना छत्तीसगढ़

वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को ग्रीन जीडीपी के साथ जोड़ने की पहल शुरू करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है। इस पहल के द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के व्यापक मूल्य को मापकर छत्तीसगढ़ के सतत विकास में रेखांकित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 विज़न और सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप विज़न डॉक्यूमेंट तैयार कर रही है, जिसमें वन विभाग द्वारा संचालित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन की अवधारणा सम्मिलित की गई है। यह समग्र दृष्टिकोण राज्य में पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक प्रगति के बीच संतुलन बनाए रखने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए सतत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित हो सके। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकन न केवल बजटीय योजना को अधिक सुव्यवस्थित बनाएगा, बल्कि भविष्य की रणनीतियों को दिशा प्रदान करेगा, धन आवंटन को अधिक प्रभावी बनाएगा और वानिकी विकास के प्रयासों को सशक्त करेगा। यह प्रक्रिया सतत विकास और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य मे संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम ने स्थानीय समुदायों को और अधिक सशक्त बनाया है। गुरु घासीदास, कांगेर घाटी और इंद्रावती जैसे राष्ट्रीय उद्यानों के साथ, छत्तीसगढ़ में प्रकृति आधारित पर्यटन के लिए असीम संभावनाएं हैं। स्थानीय निवासियों को जंगल सफारी, नेचर ट्रेल्स और इको-कैंपिंग जैसी सुविधाओं के प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल किया जा रहा है, जिससे न केवल सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को भी सशक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है। यह राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार हैं और लाखों लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वन विभिन्न प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ प्रदान करते हैं। वनों से प्राप्त होने वाले अन्य महत्वपूर्ण अमूर्त लाभ अक्सर उपेक्षित रहते हैं और उनका उचित मूल्यांकन नहीं हो पाता। इनमें जलवायु संतुलन बनाए रखने के लिए कार्बन अवशोषण,

कृषि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परागण, पोषक तत्वों का चक्रण, मृदा उर्वरता में सुधार और जैव विविधता संरक्षण जैसी सेवाएं शामिल हैं। वनों का बाढ़ और रोग नियंत्रण, जल प्रवाह का प्रबंधन और वेक्टर जनित रोगों के जोखिम को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अतिरिक्त, वनों से जल पुनर्भरण और शुद्धिकरण होता है, शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान कर वायु गुणवत्ता में सुधार होता है, और सुंदर प्राकृतिक दृश्य तथा जैव विविधता-समृद्ध क्षेत्रों के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ भावनात्मक संतुष्टि भी प्रदान होती है। इन वनों का गहरा आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व भी है, क्योंकि पवित्र स्थलों और देवगुड़ी जैसे क्षेत्रों के माध्यम से ये आदिवासी विरासत और परंपराओं को संरक्षित रखते हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के वन अनेक नदियों का उद्गम स्थल हैं, जो सतत जल प्रवाह, जलग्रहण क्षेत्र संरक्षण और कृषि तथा आजीविका के लिए आवश्यक जैविक पदार्थ से मृदा को समृद्ध करने में सहायक हैं। इन प्रत्यक्ष लाभों का राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर व्यापक आर्थिक प्रभाव पड़ता है। ये सभी लाभ ग्रामीण उद्योगों और आजीविका को प्रोत्साहित करते हैं और राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं।

मेकाहारा पर पड़ोसियों का भरोसा

ओपन हार्ट सर्जरी का सफल ऑपरेशन

मरीज का हृदय मात्र 35 प्रतिशत कार्य कर रहा था, सांस लेने में थी चार साल से दिक्कत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर राज्य के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं में दिनों दिन वृद्धि हो रही है। इसका नतीजा है कि स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में पंडित नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय से संबध्द डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के प्रति लोगों का विश्वास दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। इस संस्थान के विभिन्न विभागों के डॉक्टरों की समर्पित टीम एवं पैरामेडिकल स्टाफ की बदौलत जटिल से जटिल मेडिकल केस में डॉक्टरों को सफलता मिली है। यही वजह है कि न केवल राज्य बल्कि पड़ोसी राज्यों के मरीज भी यहां उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

आम आदमी पत्रिका

इसी कड़ी में हाल ही में अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट सर्जरी विभाग के डॉक्टरों की टीम ने मध्यप्रदेश निवासी एक मरीज की एक बार फिर सफल ओपन हार्ट सर्जरी की है। हार्ट सर्जरी का यह केस इसलिए विशेष है क्योंकि मरीज का हृदय मात्र 35 प्रतिशत ही काम कर रहा था। मरीज को रूमैटिक हार्ट डिजीज नामक बीमारी थी जिसके कारण मरीज के दो वाल्व क्रमशः एओर्टिक वाल्व और माइट्रल वाल्व में सिकुड़न थी एवं तीसरे वाल्व ट्राइकस्पिड वाल्व में लीकेज था। विभागाध्यक्ष हार्ट सर्जरी डॉ. कृष्णकांत साहू के नेतृत्व में हुए इस ऑपरेशन में मरीज के हृदय के इन दोनों वाल्व को टाइटेनियम मेटल के वाल्व से बदला गया एवं तीसरे वाल्व को रिपेयर किया गया। सर्जरी के पश्चात् मरीज के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है एवं एक-दो दिन बाद मरीज को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। यह ऑपरेशन शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान योजना के अंतर्गत पूर्णतया निशुल्क हुआ है। अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर कहते हैं कि अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों के साथ हमारी कोशिश रहती है कि मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा का लाभ मिले। मध्यप्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों के मरीजों का भी आयुष्मान योजना के अंतर्गत यहां उपचार संभव हो रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं के ऐसे विस्तार ने अम्बेडकर अस्पताल के प्रति लोगों का भरोसा बरकरार रखा है।

मध्यप्रदेश के अनूपपुर निवासी 52 वर्षीय मरीज को चार साल से सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। जरा सा भी काम करने पर सांस फूल रहा था। शुरूआत में स्थानीय डॉक्टरों द्वारा अस्थमा की बीमारी की तरह उपचार किया गया। बाद में दूसरे डॉक्टरों से जांच कराने पर पता चला कि मरीज के हार्ट के चार में से तीन वाल्व खराब हो गये हैं। चूंकि 3 वाल्व बदलना बहुत ही चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन होता है इसलिए मरीज के शुभचिंतकों ने उसे अम्बेडकर अस्पताल जाने की सलाह दी। फिर भी मरीज मध्यप्रदेश के जाने माने हार्ट सेंटर में गया परंतु वहां मरीज को विश्वास नहीं हुआ फिर अन्य सेंटर में 5 लाख से भी अधिक का खर्च बताया गया इसलिए अंततोगत्वा मरीज अम्बेडकर अस्पताल पहुंचा।

स्ट्रेप्टोकोकस नामक बैक्टीरिया द्वारा गले में संक्रमण

अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट सर्जरी विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू के द्वारा मरीज की पुनः जांच की गई और उनको हार्ट के तीनों वाल्व के ऑपरेशन के बारे में बताया चूंकि इस मरीज की किडनी भी कमजोर थी एवं उसका क्रिएटिनिन भी 1.5 एमजी बढ़ा हुआ जिससे ऑपरेशन और अधिक रिस्की होने के बारे में बताया एवं कई बार ऐसे मरीजों की किडनी बाईपास के बाद खराब हो जाती है और डायलिसिस की नौबत आ सकती है फिर भी मरीज अपना ऑपरेशन अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट सर्जरी विभाग में कराने के लिए तैयार हो गया। मरीज की बीमारी को रूमेटिक हार्ट डिजीज कहा जाता है। यह बीमारी बचपन में सर्दी-खांसी के ठीक से इलाज न कराने पर होता है। इस बीमारी में बचपन में स्ट्रेप्टोकोकस नामक बैक्टीरिया द्वारा गले में संक्रमण होता है जो सामान्य सर्दी-खांसी के रूप में होता है। जब यह बैक्टीरिया हमारे शरीर में प्रवेश करता है तब हमारे शरीर के प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा इस बैक्टीरिया के विरूद्ध एंटीबॉडी बनता है परंतु यह एंटीबॉडी बैक्टीरिया को न मारकर हमारे हृदय के वाल्व को ही बैक्टीरिया समझ कर उसको खराब करना प्रारंभ कर देता है। या यूं कहें कि यह एंटीबॉडी मिस गाइडेड मिसाइल की तरह होती है। यह बीमारी नार्थ एवं सेंट्रल इंडिया में सबसे ज्यादा मिलता है एवं साउथ इंडिया में सबसे कम।

इन्होंने किया सफल ऑपरेशन

मेडिकल भाषा में मरीज रूमैटिक हार्ट डिजीज (आरएचडी) विद सीवियर माइट्रल स्टेनोसिस विद सीवियर एओर्टिक स्टेनोसिस प्लस ट्राइकस्पिड वॉल्व रिगर्गिटेशन नामक बीमारी से पीड़ित था। मरीज का माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट विद एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट बाई, बाई लीफलेट मेटैलिक वाल्व विद डिवेगास ट्राइकस्पिड वाल्व रिपेयर नामक सर्जरी की गई। मरीज ऑपरेशन के दूसरे दिन ही अपना नाश्ता और भोजन अपने हाथों करना शुरू कर दिया। पहले भी इस संस्थान में दूसरे प्रदेशों के मरीज का सफल ऑपरेशन हो चुका है। इसके पहले भी हरियाणा का एक मरीज दिल्ली में ऑपरेशन न कराकर अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में अपना सर्जरी करवाया। इस मरीज की सर्जरी करने वाली टीम में विभागाध्यक्ष हार्ट सर्जरी डॉ. कृष्णकांत साहू के साथ कार्डियक एनेस्थेटिस्ट डॉ. संकल्प, क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डॉ. श्रुति तुरकर, परफ्यूशनिस्ट राहुल एवं डिगेश्वर, ओटी टेक्नीशियन भूपेंद्र, हरीश, निराकार एवं नर्सिंग स्टाफ राजेन्द्र, नरेन्द्र, चोवा एवं दुष्यंत आदि शामिल थे।

प्रकृति की गोद में जलमग्न दृश्यों को निहारने खींचे चले आते हैं पर्यटक

कोरबा जिले का बाँगो जलाशय जिसका अधिकृत नाम अविभाजित मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ की पहली महिला सांसद मिनीमाता के नाम पर रखा गया है। मिनीमाता हसदेव बाँगो परियोजना प्रकृति के सुरम्य वातावरण के बीच कई ऊंचे पर्वतों के आसपास जलमग्न इस नजारों को देखने यहां हजारों पर्यटक हर साल यहां आते हैं। यहां आकर पर्यटकों की आंखों की पलके तब तक नहीं झपकती जब तक वह इस नयनाभिराम नजारों को अंतिम छोर तक नहीं देख लेता। हालांकि दूर-दूर तक कई किलोमीटर में फैला यह जलमग्न दृश्य हर किसी के आँखों में पूरी तरह से कैद नहीं हो पाता, क्योंकि उनकी नजरें जहाँ तक जा पाती है। पानी के ठहराव के बीच देखने वालों की आँखे भी वहीं तक ही ठहर जाती है। कोरबा जिले की पहचान और छत्तीसगढ़ की शान मिनीमाता हसदेव बाँगो जलाशय देखने वालों को रोमांचित ही नहीं करती, उन्हें अचंभित भी कर देती है। यहां आना और इन नजारों को करीब से देख पाना किसी सौभाग्य से कम नहीं, क्योंकि यह खूबसूरती की ही नहीं, लाखों लोगों की प्यास बुझाने के साथ किसानों के खेतो को हरा-भरा बनाकर उनके समृद्धि की भी पहचान है।

कोरबा शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के अंतर्गत मिनीमाता बाँगो जलाशय छत्तीसगढ़ राज्य में सबसे बड़ा जलाशय की पहचान रखता है। जल संसाधन विभाग के मिनीमाता (हसदेव) बांगो परियोजना अंतर्गत कोरबा जिले में स्थित मिनीमाता बांगो बांध का निर्माण कार्य वर्ष 1992 में पूर्ण हुआ। यह बांध प्रदेश का सबसे अधिक जल भराव क्षमता एवं सबसे ऊँचा बांध है, इस बांध की जल भराव क्षमता 2894.33 मिलियन क्यूबिक मीटर (लाइव स्टोरेज) एवं 3264.33 मिलियन क्यूबिक मीटर (ग्रास स्टोरेज) है साथ ही बांध का डूबान क्षेत्र 185 स्क्वॉयर किलोमीटर है, इस बांध की ऊंचाई नदी के तल से 73 मीटर एवं फाउंडेशन लेवल से 87 मीटर है। यह बांध तीन महत्वपूर्ण हिस्सों में बना है जो कि 1. रॉक फिल बांध 2. मेसनरी बांध 3. मिटटी बांध है, जिसमे से रॉक फिल बांध 177मीटर, मेसनरी बांध 554.5 मीटर एवं मिटटी बांध 1778 मीटर है। मिनीमाता बांगो बांध की कुल लम्बाई 2509.5 मीटर है। इस परियोजना में 6730 वर्ग किमी जलग्रहण क्षेत्र, बांध का उच्चतम स्तर 366 मीटर, अधिकतम जलाशय स्तर 363.08 मीटर, पूर्ण जलाशय स्तर 359.66 मीटर है। वर्तमान में बांध की सुरक्षा के लिए विभिन्न जटिल कार्यों को सम्बद्ध किया गया है। यहां बांध के सुरक्षा के लिए जवान लगातार तैनात है और सीसीटीवी से भी निगरानी रखी जा रही है। इस बांध और आसपास के सुंदर नजारों को निहारने के लिए कोरबा जिला ही नहीं अन्य जिले के लोग भी निरन्तर यहां आते हैं। कोरिया जिले से आए पर्यटक परमानंद दास, सुशीला सिंह, माया सिंह ने बांगो बांध का नाम सुना था। उन्हें इस बांध को करीब से देखने की इच्छा थी। यहां आकर जब बांध को देखा तो उन्हें दूर-दूर तक पानी का ऐसा नजारा दिखा जैसे कोई नीला आकाश है। उन्होंने बताया कि वाकई में बांगो बांध को करीब से देख लेना सौभाग्य की बात है।

WhatsApp पोल फीचर में अब यूजर्स फोटो भी कर पाएंगे इस्तेमाल

चैनल के लिए WhatsApp फोटो पोल फीचर

यूजर्स के लिए एक नई कैपेसिटी

WhatsApp ने पहली बार 2022 में पोल फीचर पेश किया था। तब से अब तक इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने यूजर्स के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए इसे लगातार अपडेट किया है। अब वॉट्सऐप फीचर्स को ट्रैक करने वाली वेबसाइट WABetaInfo की नई रिपोर्ट में पता चला है कि एंड्रॉइड वर्जन 2.25.1.17 के लिए वॉट्सऐप बीटा अपडेट यूजर्स के लिए एक नई कैपेसिटी प्रदान कर रहा है। यूजर्स चैनल के अंदर पोल ऑप्शन में फोटो लगा पाएंगे, जिसका मतलब है कि यूजर्स सर्वे का जवाब देते हुए सिर्फ लिख ही नहीं पाएंगे बल्कि फोटो का उपयोग भी कर पाएंगे। आइए वॉट्सऐप के इस फीचर के बारे में विस्तार से जानते हैं।

Meta के स्वामित्व वाला प्लेटफॉर्म जल्द एक नया फीचर पेश कर सकता है

चैनल के लिए WhatsApp फोटो पोल फीचर

रिपोर्ट के अनुसार, यह फीचर आगामी अपडेट में जारी होने की उम्मीद है और वर्तमान में बीटा का हिस्सा है। यह यूजर्स को पोल में फोटो का चयन करने और अटैच करने की सुविधा देता है। इसका मतलब है कि यूजर्स प्रत्येक पोल ऑप्शन के लिए एक खास फोटो उपयोग कर सकते हैं। WABetaInfo का कहना है कि यह उन कंडीशन में खासतौर पर जरूरी हो सकता है जहां टेक्स्ट डिटेल पूरी नहीं हो सकता है। एक विजुअल कंटेक्स्ट ज्यादा फायदेमंद होगा। जैसे कि अगर को वॉट्सऐप चैनल आर्ट, डिजाइन या फूड पर बेस्ड है तो पोल ऑप्शन के तौर पर फोटो रखना बेहतर होगा। यहीं पर यह फीचर काम सबसे ज्यादा आता है। हालांकि, इसमें अभी भी कुछ सीमाएं हैं। उदाहरण के लिए एक बार जब एक फोटो एक पोल ऑप्शन से जुड़ा होता है, तो अन्य पोल ऑप्शन में भी फोटो शामिल होनी चाहिए और टेक्स्ट नहीं हो सकता है। साथ ही अभी के लिए यह फीचर सिर्फ चैनल के लिए उपलब्ध होगा और इसे ग्रुप चैट और पर्सनल चैट तक आने में कुछ समय लग सकता है।

कब होगा यह फीचर सभी यूजर्स के लिए जारी

WABetaInfo के अनुसार, फिलहाल इस फीचर पर अभी भी काम चल रहा है और सिर्फ भविष्य के अपडेट में ही उपलब्ध होगा। इसकी कोई मौजूदा रिलीज टाइमलाइन नहीं है, इसलिए यूजर्स को इसके ऑफिशियल लॉन्च का इंतजार करना होगा।

जल्द पर्सनल चैट में भी बना सकेंगे इवेंट!

WhatsApp कथित तौर पर एक नए फीचर पर काम कर रहा है, जो यूजर्स को व्यक्तिगत चैट में इवेंट को शेड्यूल करने की सुविधा देगा। व्हाट्सऐप फीचर्स को ट्रैक करने वाली एक वेबसाइट ने बताया है कि इस फंक्शनैलिटी को Android के लिए WhatsApp Beta 2.25.1.18 अपडेट पर टेस्ट किया जा रहा है। पहले, ग्रुप चैट और कम्युनिटी अनाउंसमेंट ग्रुप के लिए ईवेंट शेड्यूलिंग फीचर पेश किया गया था। नया अपडेट इस क्षमता को व्यक्तिगत चैट पर लेकर आता है। यह फीचर यूजर्स को एक अनिवार्य नाम, ऑप्शनल डिस्क्रिप्शन, डेट, टाइम, लोकेशन और यहां तक कि ऑडियो या वीडियो कॉल को लिंक करने के ऑप्शन के साथ ईवेंट बनाने के लिए टूल प्रदान करता है। व्हाट्सऐप फीचर ट्रैकर WABetaInfo की रिपोर्ट के अनुसार, WhatsApp यूजर्स के लिए व्यक्तिगत चैट में ईवेंट बनाने की क्षमता डेवलप कर रहा है.

सर्दी में नुकसानदायक होती है ये खाने की चीजें

सर्दियों में लोगों को अक्सर सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। खांसी के साथ-साथ कफ और बलगम भी लोगों की उलझन का कारण बन जाता है। क्या आप जानते हैं कि खाने की कुछ चीजों का सेवन करने की वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हिस्टामाइन से भरपूर फूड आइटम्स बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ा सकते हैं। यही वजह है कि बलगम की समस्या से जूझ रहे लोगों को इन चीजों को खाने से बचना चाहिए।

बढ़ सकती है बलगम की समस्या

- **खट्टे फल-** हेल्थ एक्सपर्ट्स सर्दी, खांसी और जुकाम से जूझ रहे मरीजों को खट्टे फल न खाने की सलाह देते हैं। खट्टे फलों को खाकर गले से जुड़ी समस्याएं काफी हद तक बढ़ सकती हैं।
- **चॉकलेट/कॉफी-** क्या आप जानते हैं कि चॉकलेट या फिर कॉफी जैसी चीजें बलगम के प्रोडक्शन बढ़ाने का काम कर सकती हैं। इसके अलावा आपको प्रोसेस्ड मीट्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए वरना आपकी बलगम की समस्या काफी ज्यादा बढ़ सकती है।
- **तला हुआ खाना-** आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तला हुआ खाना भी बलगम की समस्या को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी समस्याओं को ठीक करने के लिए तला हुआ खाना न खाएं।
- **दही-** अगर आप बलगम की समस्या से जूझ रहे हैं, तो आपको दही को अपनी डेली डाइट में शामिल करने से बचना चाहिए। दही बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ाने का काम करता है जिसकी वजह से आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

सर्दी में मूंगफली खाने के बाद कतई न करें ये गलती

क्या आप भी सर्दियों में मूंगफली खाते हैं? हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक सर्दियों में मूंगफली खाने से आपकी सेहत को काफी हद तक इम्प्रूव किया जा सकता है। लेकिन पुराने जमाने से मूंगफली खाने के बाद पानी पीने से मना किया जाता है। क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप मूंगफली खाने के बाद पानी पिएंगे, तो आपकी सेहत पर किस तरह के नेगेटिव असर पड़ सकते हैं?

पड़ सकते हैं लेने के देने

मूंगफली खाने के बाद पानी पीने से आपको लेने के देने पड़ सकते हैं। इस गलती की वजह से आपकी गट हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं को पैदा होने से रोकना चाहते हैं, तो आपको मूंगफली खाने के बाद पानी पीने की गलती बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। मूंगफली सही तरीके से डाइजेस्ट हो पाए, इसके लिए मूंगफली खाने के थोड़ी देर के बाद ही पानी पीना चाहिए।

रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट पर पड़ सकता है बुरा असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मूंगफली के बाद पानी पीने की आदत, आपके रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट पर भारी पड़ सकती है। अगर आपने मूंगफली खाने के तुरंत बाद पानी पिया, तो आपको रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट यानी फेफड़े, सांस की नली और गले से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा नट्स के बाद पानी पीने से आपको एलर्जी भी हो सकता है।

मूंगफली के बाद पानी पीने के साइड इफेक्ट्स

मूंगफली के बाद पानी पीने के साइड इफेक्ट्स में गैस, अफारा, पेट दर्द, कब्ज, सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक सही तरीके से और सही मात्रा में मूंगफली को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाना, सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

हरे मटर खाने के 3 सबसे बेस्ट तरीके

सीजनल फल और सब्जियों को ज्यादा से ज्यादा डाइट में शामिल करना चाहिए। इन दिनों हरी मटर का सीजन है। आपको रोजाना किसी न किसी तरह अपनी डाइट में 1 मुट्ठी हरी मटर जरूर शामिल करनी चाहिए। ताजा और हरी मटर खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं। आप कई तरह से मटर का सेवन कर सकते हैं। आज हम आपको मटर खाने के 3 आसान तरीके बता रहे हैं। जिससे आप इन्हें अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। जानिए हरी मटर खाने के 3 सबसे आसान तरीके?

हरे मटर खाने के 3 सबसे बेस्ट तरीके

मटर को फ्राई करके खाएं- हरी मटर को खाने का सबसे आसान और टेस्टी तरीका है कि आप इन्हें हल्का फ्राई करके खाएं। नाश्ते में और शाम को स्नैक्स में आप हरी मटर फ्राई खा सकते हैं। इसके लिए मटर को छील लें और फिर 1 चम्मच तेल में हींग, जीरा और हरी मिर्च डालकर मटर को डाल दें। अब मटर को मीडियम फ्लेम पर गलने तक पकाएं और नमक डाल दें। आप इसमें पसंद का कोई मसाला भी डाल सकते हैं। इस तरह मटर गलने पर इन्हें खाएं मजा आ जाएगा।

मटर पुलाव- सर्दियों में हरी मटर का पुलाव खाने में बहुत ही टेस्टी लगता है। पुलाव में आप अपनी पसंद की दूसरी सब्जियां भी डाल सकते हैं। लेकिन मटर का स्वाद सबसे ज्यादा अच्छा लगता है। पुलाव में आप सिर्फ आलू और मटर डालकर भी बना सकते हैं। इस तरह मटर का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है और पुलाव बनाना सबसे आसान होता है।

मटर के पराठे- सर्दियों में पराठे खाने में बहुत ही टेस्टी लगते हैं। आप हरी मटर के पराठे बनाकर खा सकते हैं। मटर के पराठे बनाना बेहद आसान है। पराठे के लिए हरी मटर को उबालकर पीस लें। 1 चम्मच तेल में इसे फ्राई कर लें और इसमें अपने हिसाब से मसाले मिक्स कर लें। इस स्टफिंग को फिल करके हरी मटर के पराठे बना सकते हैं। आप इन्हें चाय के साथ भी इंजॉय कर सकते हैं।

सनी लियोनी का ग्लैमरस लुक बटोर रहा सुर्खियां

सनी लियोनी ने अपना लेटेस्ट लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. इस नए लुक में सनी ने रेड और पिंक रंग की स्टाइलिश ड्रेस से प्रशंसकों का दिल जीत लिया है. सनी ने इस शानदार लुक के साथ कैप्शन में लिखा, 'मेरा मतलब है कि मैं कर सकती थी, लेकिन मैं ऐसा क्यों करना चाहूंगी। सनी के इंस्टाग्राम पर 56.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं. बिग बॉस में नजर आ चुकी हैं सनी. एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं जो तेजी से वायरल हो रही हैं। सनी लियोनी इन तस्वीरों में एक शानदार गाउन में एकदम बेबी डॉल नजर रही हैं। इन तस्वीरों पर कमेंट कर फैंस सनी की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

आम आदमी पत्रिका

कुछ दिनों पहले सनी के पति डेनियल वीबर ने एक वीडियो पोस्ट कर उनकी पोल खोली थी और फैंस को बताया था कि वो पूरा दिन सोती हैं, सेल्फी लेती हैं, खराब खाना पकाती हैं और आलसी हैं सारा दिन पजामा पहनकर घूमती हैं। मालूम हो कि इंस्टाग्राम पर सनी के करीब 35 मिलियन यानी 3.5 करोड़ फॉलोअर्स हैं। वो इंस्टाग्राम पर अक्सर खुद से अपने पति और तीनों बच्चों से जुड़े पोस्ट शेयर करती रहती हैं। मालूम हो कि सनी के तीन बच्चे हैं एक बेटी निशा कौर वीबर और दो बेटे अशर और नोह।

ORGALIFE®

Eat Organic, Stay Healthy

CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS

Range of 100% Natural & Eco Friendly Products

Product	MRP	Offer Price
हिमालयन पिंक सॉल्ट	~~140/-~~	120/-
आर्गेनिक गुड	~~130/-~~	115/-
आर्गेनिक गुड पाउडर	~~130/-~~	115/-
गुड चना	~~150/-~~	135/-
गुड खुरचन	~~115/-~~	94/-
गुड पान	~~140/-~~	125/-
गुड पाचक	~~140/-~~	120/-
टी मसाला	~~175/-~~	160/-
रेड राइस	~~180/-~~	160/-
ब्लैक राइस	~~180/-~~	165/-
ब्राउन राइस	~~125/-~~	155/-
रामजीरा राइस	~~210/-~~	190/-
दुबराज राइस	~~160/-~~	145/-
हर्बल सोप	~~170/-~~	155/-
नारियल तेल	~~560/-~~	545/-
लाल मिर्च पाउडर	~~110/-~~	95/-
गिर गाय A2 घी	~~720/-~~	700/-
आम का अचार	~~175/-~~	154/-
मिक्स दाल	~~130/-~~	115/-
मसूर दाल	~~125/-~~	110/-
चना दाल	~~110/-~~	90/-
मूंग दाल (बिना छिलका)	~~130/-~~	115/-
उड़द दाल (छिलका)	~~130/-~~	115/-
झुरगा	~~125/-~~	110/-
काबूली चना	~~160/-~~	145/-
राजमा जम्मू	~~145/-~~	120/-
मल्टी ग्रेन दलिया	~~110/-~~	85/-
मूंग दाल (छिलका)	~~140/-~~	120/-
सुजी	~~80/-~~	60/-
साबुत चना	~~95/-~~	75/-
गेंहू आटा	~~110/-~~	85/-
चना बेसन	~~115/-~~	90/-
उड़द दाल(बिना छिलका)	~~140/-~~	120/-
अरहर दाल	~~145/-~~	130/-
रागी फ्लोर	~~110/-~~	85/-
राइस पोहा	~~90/-~~	77/-

More Then 100+ Organic Grocery Products

Scan & Shop Now

Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

ORGALIFE®

Haldi Jaggery

आयुर्वेद और दादी की सलाह...
हल्दी वाला दुध
रोज एक बार!

Orgalife Organic Store

Magneto Mall, Lower Basement Infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)

Order On ▶ www.orgalife.in Flipkart amazon | For any Queries/Suggestions : Call : +91 9090229033